साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
वर्ष 7, अंक-30 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 2 सितम्बर 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

सुविचार
यदि आपको अपने आप पर विश्वास है तो दुनिया कोई भी ताकत आपको सफल होने से नहीं रोक सकती।

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

जिला सागर में आगामी 4 सितंबर 2022 को होने जा रही महापंचायत

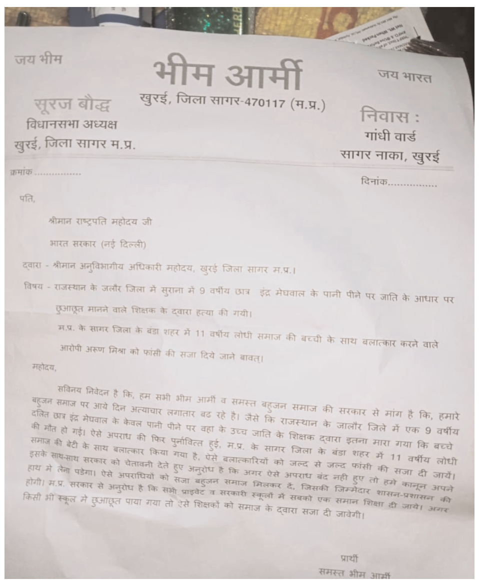
जय भीम
भीम आर्मी
जय भारत
खुरई, जिला सागर-470117 (म.प्र.)
सूरज बौद्ध
विधानसभा अध्यक्ष
खुरई, जिला सागर म.प्र.
निवास :
गांधी वार्ड
सागर नाका, खुरई
क्रमांक................
दिनांक................
प्रति,
श्रीमान राष्ट्रपति महोदय जी
भारत सरकार (नई दिल्ली)
द्वारा - श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय, खुरई जिला सागर म.प्र.।
विषय - राजस्थान के जलौर जिला में सुराना में 9 वर्षीय छात्र इंद्र मेघवाल के पानी पीने पर जाति के आधार पर छुआछूत मानने वाले शिक्षक के द्वारा हत्या की गयी।
म.प्र. के सागर जिला के बंडा शहर में 11 वर्षीय लोधी समाज की बच्ची के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी अरूण मिश्रा को फांसी की सजा दिये जाने बावत्।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि, हम सभी भीम आर्मी व समस्त बहुजन समाज की सरकार से मांग है कि, हमारे बहुजन समाज पर आये दिन अत्याचार लगातार बढ रहे है। जैसे कि राजस्थान के जालौर जिले में एक 9 वर्षीय दलित छात्र इंद्र मेघवाल के केवल पानी पीने पर वहा के उच्च जाति के शिक्षक द्वारा इतना मारा गया कि बच्चे की मौत हो गई। ऐसे अपराध की फिर पुर्नावित्त हुई, म.प्र. के सागर जिला के बंडा शहर में 11 वर्षीय लोधी समाज की बेटी के साथ बलात्कार किया गया है, ऐसे बलात्कारियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जायें। इसके साथ-साथ सरकार को चेतावनी देते हुए अनुरोध है कि अगर ऐसे अपराध बंद नही हुए तो हमे कानून अपने हाथ मे लेना पडेगा। ऐसे अपराधियों को सजा बहुजन समाज मिलकर दें, जिसकी जिम्मेदार शासन-प्रशासन की होगी। म.प्र. सरकार से अनुरोध है कि सभी प्राइवेट व सरकारी स्कूलों में सबको एक समान शिक्षा दी जाये। अगर किसी भी स्कूल मे छुआछूत पाया गया तो ऐसे शिक्षकों को समाज के द्वारा सजा दी जावेगी।
प्रार्थी
समस्त भीम आर्मी

युवा प्रदेश नेटवर्क

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में देश के पिछड़ों दलितों अल्पसंख्यकों पर हो रहे अन्य अत्याचारों के विरोध में जिला सागर में आगामी 4 सितंबर 2022 को ओबीसी क्रांति सेना ओबीसी महासभा भीम आर्मी जय आदिवासी संगठन बहुजन भीम आर्मी अहिरवार समाज संघ भारत जिला लोधी क्षत्रिय सभा दमोह क्रांति जनशक्ति पार्टी बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन मध्य प्रदेश इत्यादि तमाम बहुजन संगठनों के सहयोग से होने जा रही है जिसमें ओबीसी क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र लोधी और लोधी समाज प्रदेश अध्यक्ष धन सिंह लोधी ओबीसी क्रांति सेना की रजनी कुशवाहा जी इस महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय विनय रतन जी और पूर्व विधायक पीतम सिंह लोधी जी ,जय आदिवासी संगठन से मध्य प्रदेश कार्यकारिणी के अध्यक्ष रवि राज बघेल और डॉ. अरुण यादव जी रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अतर सिंह भारतीय और ओबीसी महासभा के समस्त कार्यकर्ता व भीम आर्मी जिला सागर प्रभारी नरेंद्र सिंह सूर्यवंशी जी जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र अहिरवार जी जिला महामंत्री राजेश अहिरवार जी खुरई विधानसभा अध्यक्ष सूरज बौद्ध सागर नगर अध्यक्ष अर्जुन अहिरवार सागर विधानसभा आजाद समाज पार्टी के कमलेश अहिरवार जी युवा समाजसेवी कन्हैया अहिरवार समस्त बहुजन संगठनों के जिले विधानसभा और ब्लॉकों के समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे महापंचायत का आयोजन देशभर में हो रही बहुजनों पर अन्याय अत्याचार और विगत दिनों में सागर के बंडा में एक लोधी समाज की नाबालिक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में आरोपी अरुण मिश्रा के आवास पर ध्वस्त किए जाए बंडा में संवैधानिक आंदोलनकारियों पर एफ आई आर वापस की जाए की मांग राजस्थान के जालौर में दलित छात्र इंद्र मेघवाल की हत्या केवल मात्र मटकी के पानी पीने से हत्या कर दी गई आरोपी के ऊपर उचित कार्रवाई की जाए और उस बच्चे को उचित न्याय दिया जाए. विगत दिनों झांसी महेवा में अंजू यादव को दिनदहाड़े मनु वादियों ने पेट्रोल डालकर जला दिया पीड़ित परिवार को उचित न्याय दिया जाए की मांगों को लेकर महापंचायत का आयोजन. जिला सागर के बंडा के चौका में एक किसान शीतल रजत पुलिस के द्वारा एफ आई आर दर्ज न करने पर पीड़ित शीतल रजक ने मजबूरन होकर आत्महत्या कर ली पुलिस पर उचित कार्रवाई की जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और ऐसे कानून बनाए जाएं दलितों अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कम है जिला सागर के कजली वन मैदान में 4 सितंबर 2022 को आयोजन की जा रही महापंचायत जिसमें केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की निजी करण और महंगाई बेरोजगारी और जाति जनगणना जैसे समस्त मुद्दों को लेकर सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी अपनी अपनी बात रखेंगे और समस्त मिलकर सभी को न्याय दिलाने के लिए एक मंच पर आएंगे

राजेश अहिरवार
युवा प्रदेश बदलते भारत की तस्वीर
जिला सागर संपादक

इंदौर में पथ विक्रेताओं से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

इंदौर। रीजनल पार्क के सामने मैदान में होने पथ विक्रेता सम्मान समारोह में आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 हजार पथ विक्रेताओं व उनके परिवार के लोगों से संवाद करेंगे। वे मंच पर 10 पथ विक्रेताओं को सम्मान भी करेंगे। इस आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे रीजनल पार्क के सामने पथ विक्रेता हितग्राही सम्मेलन में। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव निगम के अधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजनों में भाजपा पार्षदों को भी भीड़ जुटाने का जिम्मा दिया गया है। दस हजार से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था वाटरप्रुफ पांडाल में की गई है। रीजनल पार्क में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पथकर विक्रेताओं और अन्य हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। पथ विक्रेताओं को इस आयोजन में लाने के लिए 400 बसों का अधिग्रहण किया गया है इस आयोजन में मंच पर जनप्रतिनिधियों की बैठक व्यवस्था रखी गई है। कार्यक्रम में शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेताओं को भी बुलाया गया है। 10 लोगों को मंच पर बुलाकर सम्मानित भी किया जाएगा। गौरतलब है कि निगम द्वारा शहर में 52 हजार से अधिक पथ विक्रेताओं को 10 हजार रुपये के लोन, 13 हजार से अधिक को 20 हजार रुपये तक का लोन और 25 पथ विक्रेताओं को 50 हजार रुपये तक के लोन दिलवाए गए है। पथ विक्रताओं को 20 हजार तक के लोन दिलवाने के मामले में इंदौर देश भर में अव्वल स्थान पर है। इस योजना के तहत 10 हजार रुपये तक का लोन लेने के पश्चात उसे चुकाने वाले पथ विक्रेता को 20 हजार रुपये का लोन दिलवाया जाता है। जो पथ विक्रेता 20 हजार रुपये तक का लोन चुका देता है, उसे 50 हजार रुपये का लोन दिया जाता है। मुख्यमंत्री इसके अलावा लवकुश चौराहे पर आइडीए द्वारा बनाए जाने वाले फ्लायओवर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

मृतक व्यक्ति के ऊपर लांछन लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कौन केस दर्ज करवा सकता है जानिए/Legal Advice....।

हर व्यक्ति को मान-सम्मान से जीने का अधिकार है,भारतीय संविधान में भी मानव को गरिमा एवं मान सम्मान से जीने का अधिकार दिया गया है। लेकिन क्या मृतक व्यक्ति जो अब इस दुनिया में नहीं है, उसके बारे में कोई गलत बोले एवं उसकी मान-सम्मान पर लांछन लगाए तब क्या इसका परिवाद दायर किया जा सकता है अगर हाँ तो कौन करेगा जानते हैं।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 499(स्पष्टीकरण क्रमांक 01) की परिभाषा-?

किसी मृत व्यक्ति की प्रतिष्ठा को हानि5 पहुचाने वाले कथन भी मानहानि का अपराध होगा यदि लांछन इस प्रकार का हो कि उस व्यक्ति के जीवित रहने पर उसकी प्रतिष्ठा पर आघात पहुचाता। साधारण शब्दों में कहे तो मृतक व्यक्ति के बारे में ऐसा बोलना जो एक जीवित व्यक्ति की मान-सम्मान को ठोस पहुचाने जैसा होता है जैसे की कोई महिला एक मृतक व्यक्ति हैं और उसके बारे में अभिकथन किया गया की उसका चाल-चलन गलत था एवं अन्य लोगो के साथ उसके अवैध संबंध भी थे तब यह अपराध मानहानि का अपराध होगा क्योंकि अगर वह जीवित होती तो उसकी मान-सम्मान को ठेस पहुंचती।

मृतक व्यक्ति की और से शिकायत कौन दर्ज करने का अधिकार रखता है जानिए?

किसी मृत व्यक्ति की मानहानि होने पर उसका बेटा, भाई, पुत्री, पति या पत्नी, माता, पिता,या कोई नातेदार न्यायालय में परिवाद दायर कर सकते हैं या शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं ब्यूरो चीफ युवा प्रदेश समाचार पत्र अलीगढ़ उत्तर प्रदेश

वे कौन-कौन से अपराध है जिनका विचारण कम समय में किया जाएगा जानिए/CrPC....

वर्तमान समय की अगर बात करे तो न्यायालय में इतने मामले आते हैं सभी का विचारण शीघ्रता से करना मुश्किल होता है लेकिन कुछ मामले या अपराध ऐसे होते हैं जिनका विचारण मजिस्ट्रेट को संक्षिप्त रूप में करना पड़ता है क्योंकि यह अपराध इतने जटिल नहीं होते हैं। जटिल मामलों के लिए न्यायालय जरूर समय लगा देता है आज हम आपको उन अपराध के बारे में जानकारी देंगे जिनकी सुनवाई न्यायालय शीघ्र प्रारम्भ करता है एवं संक्षिप्त रूप में इनका विचारण कर सकता है जानिए।

दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 260 की परिभाषा-

कोई भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, महानगर मजिस्ट्रेट या हाईकोर्ट द्वारा प्राधिकृत किया गया कोई प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट निम्न प्रकार के अपराधों का संक्षिप्त रूप में विचारण कर सकता है एवं कार्यवाही को जल्द खत्म भी कर सकता है पढ़िए-

1. वे अपराध जो मृत्यु दण्ड से दंडनीय हैं या आजीवन कारावास से दंडनीय है या दो वर्ष के कारावास से कम अवधि से दंडनीय हैं।
2. वे अपराध जो भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय 17 की धारा 379,380 एवं 381 चोरी से संबंधित हैं। लेकिन शर्त यह है कि चोरी की संपत्ति का मूल्य 2000/- रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।
3. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 411 के अंतर्गत चोरी की संपत्ति को रखने , छुपाने, प्राप्त करने से दंडनीय अपराध लेकिन उस संपत्ति का मूल्य 2000/- रूपए से अधिक नहीं होना चाहिए।
4. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 454 एवं धारा 455 गृहअतिचार अर्थात आपराधिक उद्देश्य से घर में घुसना या घर में घुस कर मारपीट करना आदि से दंडनीय अपराध।
5. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 504 लोक शान्ति भंग करने के उद्देश्य से अपमान करना एवं धारा 506 आपराधिक अभित्रास से दंडनीय अपराध
6. किसी भी प्रकार के अपराध को करने के लिए उकसाना या दुष्प्रेरण करने से दंडनीय अपराध।
7. किसी अपराध को करने का प्रयत्न करने के अपराध से दंडनीय हो।
8. पशु अतिचार अधिनियम,1871 की धारा 20 के अधीन कोई परिवाद दायर किया गया हो तब उसका विचारण भी संक्षिप्त किया जाएगा।

अर्थात उपर्युक्त सभी अपराधो का विचारण मजिस्ट्रेट(मुख्य न्यायिक, महानगर एवं हाईकोर्ट द्वारा प्राधिकृत प्रथम वर्ग) संक्षिप्त रूप एवं कम समय मे दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 260 के अनुसार करेगा।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

समाजसेवी गोपाल सिंह दिवाकर और अतर सिंह भारतीय की अगुआई में हुआ मंथन शिविर संपन्न

रायसेन। ज्ञातव्य हो कि दिनांक 28 अगस्त 2022 को रायसेन जिले के कस्बा बाड़ी में मजदूर एकता संघठन के नेतृत्व में समाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें रायसेन जिले के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जिसमें सामाजिक भेदभाव, गैर बराबरी, राजनैतिक पृष्ठभूमि, पर्यावरण संरक्षण, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा में गुणवत्ता, स्वास्थ्य लाभ, मजदूरों के अधिकार आदि विभिन्न मुद्दों पर गहन परिचर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री संदीप दीक्षित जी, पूर्व सांसद दिल्ली और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री श्री मति शीला दीक्षित के बेटे तथा विशेष अतिथि भोपाल से एडवोकेट राहुल श्रीवास्तव जी जी रहे तथा कुशल संचालन यशवंत मालवीय ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से हेमंत कुमार चौधरी, जितेंद्र मूलनिवासी, युद्धवीर सिंह, रामस्वरूप धुर्वे, मीना पवार, शिवम चौहान, पोथीराम लोधी, पंकज अहिरवार एस एस बम्होर्या आदि उपस्थित रहे।

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

हत्या के खिलाफ - भीम आर्मी एवं सामाजिक संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

बरेली थाना क्षेत्र में ब्राह्मण समाज के व्यक्ति ने कि अहिरवार समाज के युवक की हत्या

नागेश नरवरिया,प्रधान संपादक

बरेली। जिला रायसेन बरेली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम जामगढ़ में जातिवादी मानसिकता के ब्राह्मण रामगोपाल (उर्फ) पप्पू शर्मा ने रामसेवक अहिरवार की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी । मामला बीते 29 अगस्त दिन बुधवार शाम 7 बजे का है बताया जा रहा है पप्पू शर्मा रामसेवक को घर से बुलाकर ले गया । और धारदार हथियार कुल्हाड़ी मारकर रामसेवक अहिरवार की हत्या कर दी । और वह भाग निकला । मौके पर मृतक का भाई मौजूद था जिसने रामसेवक को बचाने का प्रयास किया लेकिन वह अपने भाई को नहीं बचा पाया । मृतक के परिजनों ने घटना की जानकारी बरेली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली ले आये । इस दौरान फरियादी की अनुपस्थिति में देर रात आरोपी के रिश्तेदार द्वारा बरेली थाने आकर पप्पू शर्मा के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज कराई गई। जिसने फरियादी से कुछ भी पूछा नहीं गया । इस बात पर सवाल उठ रहा है की बिना फरियादी के रिपोर्ट दर्ज कैसे हो गई। उनसे कुछ भी पूछा नहीं गया । ये खबर सोशल मीडिया के माध्यम से समाज के लोगो को लगी ओर मंगलवार को सुबह सभी बरेली आने लगे और इस जघन्य अपराध का विरोध करना शुरू कर दिया । जिसमे भावसिंह मांडरे जी, हनुमत सिंह बौद्ध जी,रमन बामने जी,गोपीलाल अहिरवार, एस.एस बम्होरया जी, मनोहर डागोर जी, पोहप सिंह जी, लखन सिंह जी , अतर सिंह जी, जीतेन्द्र मूलनिवासी जी,बलराम अहिरवार जी ,दौलत सिंह जी,एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता परिजनों को न्याय की मांग को लेकर भीम आर्मी ,अहिरवार समाज संघ, बीएसपी एवं सभी स्ष्ट,स्ज्ञ, लोगो के द्वारा पिपरिया नाके पर बरेली में चक्का जाम किया गया।ओर पीड़ित परिवार कि ओर से मांग की गई, की दूसरी एफ.आई.आर दर्ज की जानी चाहिए , आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चहिए,ओर आरोपी पप्पू शर्मा के घर पर बुल्डोजर चलना चाहिए,परिवार को 1 करोड़ रुपए की राशि तथा परिवार में एक सदस्य को राजकीय सेवा में नौकरी दी जानी चाहिए। । एसडीओपी राजीव जंगले, बरेली थाना प्रभारी जगदीश सिंह सिद्दू , तहसीलदार निकिता तिवारी, मौके पर उपस्थित थे । जिन्होंने परिजनों एवं सामाजिक लोगो को समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन ,इस घटना को लेकर समाज में काफी आक्रोश था सभी अपनी जिद पर अड़े रहे और आरोपी को ग्रफ्तार कर उसके घर पर बुल्डोजर चलाने की मांग करते रहे । करीब 2 घंटे तक परिजन अपना विरोध दर्ज कराते रहे। राजस्व ओर पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया तब जाकर कहीं प्रदर्शनकारियों ने चक्का जाम समाप्त किया। इसके बाद शव को परिजनों के साथ अपने घर छुड़वाया गया ।सभी सामाजिक कार्यकर्ता भी अंतिम संस्कार में शामिल होने जामगढ़ पहुंचे। परिजनों का कहना था की जामगड में अहिरवार समाज के लोगो को शांतिधाम में शव नहीं

जलाने दिया जाता । इनके लिए अलग व्यस्था है लेकिन वहां खड़े होने के लिए भी जगह नहीं है गांव के दबंगों ने दादागिरी से उस पर भी कब्जा किया हुआ है और मिट्टी पत्थर से पार बना रखी है । जिससे शमसान घाट पूरा पानी में डूबा हुआ है वहां किसी तरह की टीनसेट या नल की कोई व्यस्था नहीं है । सूचित करने के बाद पुलिस प्रशासन, एवं नायव तहसीलदार छोटेलाल गिरी गोस्वामी, की उपस्थित में पार को तुड़वाकर पानी का निकास बनाया गया ।

मंत्री प्रभुराम चौधरी से लगाई न्याय की गुहारः इसी बीच उदयपुर शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित होने के लिए सांची विधानसभा विधायक केबिनेट स्वास्थ मंत्री प्रभूराम चौधरी एवं सिलवानी विधायक ठा.रामपाल सिंह,पूर्व विधायक रामकिशन पटेल,जा रहे थे । सूचना मिलने पर सामाजिक लोगो ने खरगोन में गाड़ी रुकवाकर पीड़ित परिवार से मिलने को कहा। भीम आर्मी , अहिरवार समाज संघ,के उपस्थित प्रमुख लोगो ने इस दर्दनाक घटना से मंत्री जी को अवगत कराया और परिवार को उचित न्याय दिलाने की मांग की । हालांकि बुधवार को जानकारी मिली है कि आरोपी पप्पू शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है

आखिर कब तक होते रहेंगे अत्याचार

आय दिन बहुजन, आदिवासी समाज के लोगो पर अत्याचार होते ही रहते है आखिर कब तक ये समाज इस जातिवादी मानसिकता का शिकार होता रहेगा रायसेन में लगातार इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही है राजकुमार त्रपालिया जो की उदयपुरा के निवासी पत्रकार थे वह आज तक लापता है। जिनका आज तक पुलिस कोई पता नहीं लगा पाई , कुछ दिन पहले ही गैरतगंज में नीलेश अहिरवार कि हत्या कर दी थी मामला पुराना नहीं हुआ की रामसेवक अहिरवार की हत्या कर दी गई । देश आजादी का अमृत महोत्सव माना रहा है लेकिन बहुजन समान आज भी आजाद नहीं हुआ है देश आजाद होने के बाद भी अनु. जाति, जन जाति पर हो रहे अत्याचारों में कोई कमी नहीं आ रही है

सामाजिक लोगो का कहना है

इस जघन्य हत्याकांड में अहिरवार समाज भीम आर्मी के सभी लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपराधी के खिलाफ मुकदमा कायम करा कर गिरफ्तारी की मांग की धरना आंदोलन किया। परंतु दुख भरी बात यह है की कोई भी राजनीतिक पार्टी एवं हिंदु धर्म से संबंधित बजरंग दल करणी सेना दुर्गा वाहिनी हिंदू सेना आदि सभी विभिन्न दलों द्वारा उस मृतक परिवार के बारे में दो शब्द बोलने की तक हिमाकत नहीं की क्या कारण है। बहुजन समाज के लोगो को इस पर विचार करना की हमारी समाज के साथ हजारों वर्षो से अन्याय अत्याचार व्यभिचार हो रहा है इसके लिए सामाजिक संगठन जो अहिरवार समाज से संबंधित हैं वही आगे आकर आवाज उठाते हैं। अहिरवार समाज समस्त अनुसूचित जाति जनजाति जहां तक की पिछड़ा वर्ग की लड़ाई भी लड़ता है परंतु क्या कारण है कोई भी संगठन आगे नहीं आता। अहिरवार समाज के सभी बुद्धिमान ज्ञानवान सदस्यों से विनम्र निवेदन किया कि अब हमें प्रत्येक गांव में नौजवान बढ़ते हुए उभरते हुए साथियों को आगे लाना होगा। हमें प्रतीत होता है कि अब हमारी लड़ाई सरकार किसी की भी हो पहले से ही खुद लड़ना पड़ी है और लडना पड़ेगी। कुछ समाज के अंदर तथाकथित लोग हैं जो अपनी राजनीति चमकाने के चक्कर में समाज का बटवारा कर रहे हैं किसी के बहकावे में ना आ कर समाज को मजबूत करें तभी हमें न्याय मिल पाएगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है कि हम आजादी के पूर्व वाले दिन हमें देखने को मिलेंगे। समाज के बुद्धिमान महानुभावों से पूर्ण रूप से उम्मीद रखी की वो समाज हित में आकर नौजवान साथियों का हौसला बढ़ाएं तथा उन्हें जिस चीज में हम महारत हासिल किए हैं उन विषयों में उनको तन मन धन से सहयोग करें

हमें सोते हुये लोगों को जगाना पड़ेगा

क्या होगा आगे

अब देखना बाकी है को 5 दिन का अल्टिमेटम देने के बाद क्या शासन प्रशासन की गई मांगो को पर कर पाएगा । भीम आर्मी जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ने चेतावनी की अगर 5 दिन के अंदर परिजनों की मांग को पूरा नहीं किया गया तो भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद जी की उपस्थिति में बहुजन समाज पर लगातार बढ़ते अत्याचारों के विरोध में आंदोलन किया जाएगा। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति और जनजाति के परिसंघ ने भी इस हत्याकांड के आरोपी को सक्त कार्यवाही करने और पीड़ित परिवार को सम्पूर्ण सुरक्षा, आर्थिक सहायता एवं परिवार के सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग की है। मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया ने मामले पर दुख जताया और कहा कि सबणों के द्वारा अनुसूचित जाति के साथ छुआछूत व भेदभाव के कारण ही घटना हो रही है। शासन, प्रशासन समाज पर हो रहे अपराध के विरुद्ध संज्ञान ले तो निश्चित रूप से हत्या जैसे घटना कम हो सकती है। सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शासन से अपेक्षा की है वह अपराधी पर सक्त कार्यवाही कर पीड़ित को न्याय प्रदान करें।

युवक की हत्या के बाद फटा आकोश 2 घंटे हाईवे जाम कर कार्रवाई मांग की

हत्या के बाद से आरोपी फरार पुलिस ने दर्ज किया मामला

बरेली। बरेली थाने अतगंत ग्राम जामगढ़,में सोमवार शाम हुई दलित युवक की हत्या के विरोध में मंगलवार को तहसीलदार के सामने 2 घंटे तक लोगों ने चक्का जामकियाअनुसूचित,जनजाति? अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग संघ ने राष्ट्रपति के नाम

एसडीएम को ज्ञापन शॉप कर चक्का जाम समाप्त किया सोमवार की शाम 6ः30 बजे बरेली के निकट जाम गढ़ मैं आरोपी रामगोपाल शर्मा ने कुल्हाड़ी से हमला कर रामसेवक अहिरवार की हत्या कर दी गई हत्या के बाद से आरोपी फरार पुलिस ने आरोपी रामगोपाल शर्मा के खिलाफ हत्या की धारा 302 और हरिजन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से पहले तहसीलदार के सामने चक्का जाम शुरू कर दिया गया जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे गए पुलिस ने समझौता देकर जाम समाप्त करवाया और शासन की ओर से मृतक के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया

एक करोड़ रूपया और सरकारी नौकरी दे

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन में मृतक के बेटे को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रूपया की आर्थिक सहायता की मांग की गई साथ में आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने और मामले को पोस्ट टैंक कोर्ट में चलाने की मांग रखी ज्ञापन मैं कहा गया की पांच देना मैं अभी उचित करवाई नहीं की तो पुनः आंदोलन किया जाएगा ज्ञापन सौंपा ने के बाद परिजन शव लेकर जाम गढ़ रवाना हुए पुलिस की मौजूदगी में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया

दोनों में थी दोस्ती

लोगों ने बताया कि मूतक रामसेवक अहिरवार और आरोपी रामगोपाल शर्मा की आपसी में पक्की दोस्ती थी घटना से पहले भी दोनों एक साथ थे आरोपी कुल्हाड़ी रखा हुआ था दोनों में किसी की बात को लेकर के सुनी गई जिसमें आरोपी ने रामसेवक पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया शेर और गर्दन पर गहरा घाव से अधिक रक्त होने के कारण रामसेवक की मौके पर मौत हो गई गांव के लोगों ने घटना की तत्काल पुलिस को सूचना दी सोमवार को ग्राम जामगढ़ मैं आरोपी रामगोपाल शर्मा ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया रामसेवक हर बार की हत्या कर दी गई पुलिस ने हत्या और परिजन एक्ट का मामला दर्ज कर लिया आरोपी की तलाश की जा रही

धन सिंह ,बरेली

10000 का इनाम हुआ था घोषितः दोस्त की हत्या करने वाले आरोपी खरगोन से पकड़ाया

बरेली। जाम गढ़, क्षेत्र में हुआ, जघन्य हत्याकांड के फरार आरोपी रामगोपाल उर्फ़ पप्पू शर्मा को बरेली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया यहां आरोपी अपने दोस्त की हत्या करने के बाद फरार हुआ गया था जिस पर पुलिस ने अधीक्षण विकास शाहवाल ने 10,000 हजार रुपया का इनाम घोषित किया था 29 अगस्त की शाम लगभग 7ः00 बजे आरोपी रामगोपाल उर्फ पप्पू शर्मा ने शराब के नशे में अपने दोस्त रामसेवक अहिरवार पर कुल्हाड़ी से हमला करके उसकी हत्या कर दी थी इसी घटना के विरोध में परिवार के लोगों ने पिपरिया रोड पर चक्का जाम किया था अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा ने घटना स्थल पर पहुंचकर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए, दिशा निर्देश दिए थे आरोपी रामसेवक मूलत मुरैना जिला का रहने वाला इसलिए एक टीम को उसकी तलाश में ग्वालियर मुरैना एवं आगरा उत्तर प्रदेश की तरफ भेजा गया था मुरैना में उसकी तलाश करने पर जानकारी मिली कि आरोपी वहां से फिर से बरेली पहुंच गया इस,सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे खरगोन में दबोच लिया पुलिस ने आरोपी द्वारा बताई गई स्थान से हत्या में प्रयुक्त की गई कुल्हाड़ी को जब्त कर लिया पुलिस अधीक्षक दार आरोपी को पकड़ने वाली टीम के लगा दे नाम से पुरस्कार करने की घोषणा की थी

धन सिंह बरेली

पारिवारिक कलह के चलते दो मासूम बेटियों सहित महिला ने कुएं के कूदकर जान दी

रायसेन। जिला मुख्यालय से सवा सौ किमी दूर सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलिया बिचोली निवासी रामकृष्ण की पत्नी बत्ती बाई उर्फ पार्वती बाई उम्र 24 वर्ष ने अपनी पुत्री दीपाली उम्र तीन वर्ष व अनामिका उर्फ दीप्ति उम्र आठ वर्ष के साथ खेत में बने हुए कुआं में कूदकर आत्महत्या कर ली है। पति रामकृष्ण ने बताया कि बुधवार शाम को घर पर मामूली कहासुनी होने के बाद उसकी पत्नी उस समय दोनों बेटियों को लेकर चली गई थी जब घर पर कोई नहीं था। हमने पत्नी व दोनों बच्चियों की काफी तलाश की। पत्नी के मायका व अन्य रिश्तेदारों से भी पूछताछ की। उनका कहीं पता नहीं चला। गुरुवार को दोपहर तीनों के शव खेत वाले कुएं में उतराने की सूचना मिली। हमने तुरन्त पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शव को कुएं से बाहर निकाल लिए हैं।

बारिश की बूंदों का अफसाना,

बादल गरजा फिर देखा वो नजराना।
कभी आंसू की झलक , कभी खुशियों का खजाना।।

ऐ बादल के नजारे , और आसमान सुहाना,
बिना बादल की बारिश और धूप का हंसाना।

खूबसूरत लगता है , फूलो का खिलना।।
बिजली का चमकाना , आंखो में आसूं, खुशियों का फंसाना।।

धूप की तरह जलना और चांद की तरह चमकना।
यूं बादल का गरजना ,
और अपनो का मिलना।।

बारिश की बूंदों का अफसाना,
बादल गरजा फिर देखा वो नजराना।।

लेखक- वैशाली नारनवरे, छिंदवाड़ा

नाबालिग से बलात्कार करने वालों, गैंगरेप के दोषियों, आतंकियों और नशीले पदार्थों के अवैध व्यवसाय में आजीवन कारावास सजा काट रहे बंदियों को अब आखिरी सांस तक रहना होगा कारावास में

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में विभिन्न अधिनियमों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों की रिहाई की अवधि की प्रस्तावित नीति -2022 पर चर्चा हुई। वर्तमान में प्रदेश में वर्ष 2012 की नीति लागू है। वर्तमान में प्रदेश के 131 जेलों में 12 हजार से अधिक बंदी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। आजीवन कारावास की सजा प्राप्त बंदियों के संबंध में जो नई नीति तैयार की गई है, उसमें जघन्य अपराधियों को कोई राहत नहीं मिलेगी। आतंकी गतिविधियों और नाबालिगों से बलात्कार के अपराधियों का कारावास 14 वर्ष में समाप्त नहीं होगा। मध्यप्रदेश में ऐसे अपराधियों को अंतिम साँस तक कारावास में ही रहने की नीति बनाई गई है। ऐसे अपराधियों में विभिन्न अधिनियम में आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त पाए गए दोषी, नाबालिग से बलात्कार के दोषी, गैंगरेप के दोषियों, जहरीली शराब बनाने, विदेशी मुद्रा से जुड़े अपराधों, दो या दो से अधिक प्रकरण में हत्या के दोषी को अब अंतिम साँस तक जेल में रहना होगा। शासकीय सेवकों की सेवा के दौरान हत्या का अपराध करने वाले दोषी भी शामिल होंगे। इसी तरह राज्य के विरुद्ध अपराध और सेना के किसी भी अंग से संबंधित अपराध घटित करने वाले अपराधी भी किसी रियायत का लाभ

नहीं ले सकेंगे। इन सभी के लिए नई नीति लागू नहीं होगी। इन अपराधों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों को अब जेल में ही अंतिम सांस तक रहना होगा। आजीवन कारावास से दंडित धारा 376 के दोषी बंदी भी 20 वर्ष का वास्तविक कारावास और परिहार सहित 25 वर्ष पूर्ण करने से पहले जेल से रिहा नहीं हो सकेंगे।

टेकपुर में दो दिवसीय कीर्तन दर सजा सतगुरु रविदास महाराज की बाणी का किया अमृत पान

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल 26-27 अगस्त 2022 भोपाल जिले की बेरसिया तहसील के ग्राम टैकपुर में शाम 9ः00 बजे से सतगुरु रविदास महाराज का कीर्तन दरबार अहिरवार समाज संघ के तत्वाधान में सजाया गया जिसमें बंदी पुर वाले श्री रामदास महाराज और बेरसिया के श्री सेवक दास महाराज ने भजन कीर्तन कर संगत को अमृतवाणी सुनाई इस अवसर पर राधाकिशन गुरु जी द्वारा सतगुरु रविदास जी की वाणी यों का उच्चारण कर अर्थ किया जिसकी संगत ने मन से प्रशंसा कर अपने जीवन में सतगुरु के विचारों को अंगीकार करने का वचन दिया कीर्तन दरबार का सफल संचालन श्री माधव सिंह अहिरवार भोपाल के द्वारा किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में श्री लेख राम दादा एवं विशेष अतिथि के रुप में श्री विश्राम बौद्ध जी मंच पर

आसीन रहे। कार्यक्रम सतगुरु रविदास मंदिर समिति टेकपुर द्वारा राकेश अहिरवार के नेतृत्व में समिति दरबार द्वारा किया गया जिसमें रात्री 11 बजे लंगर में भोजन कराया गया रात्रि 12 बजे कीर्तन पुनः प्रारंभ हुआ जो प्रातः तक चलता रहा । सतगुरु रविदास जी का पुनः दीवन श्रीमती संगाता गोलिया जी प्रदेश अध्यक्ष अहिरवार श्री रविशंकर सूरवंशी, श्री सुरेश अहिरवार, श्री बिहारी लाल जी, अशोक अहिरवार, इत्यादि अहिरवार समाज के रविदास वंशीय बुध्दिजीवियों की उपस्थिति में सफल पूर्वक कार्यक्रम सम्पन हुआ।

वनपरिक्षेत्र बिहारपुर का मामला।

वन विभाग में निर्माण कार्य बेधड़क जारी,मगर चंदन तस्करों को पकड़ने में विभाग के हांथ खाली।

मनेन्द्रगढ़। वन मंडल मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बिहारपुर के चंदन नर्सरी से 5 चोरों द्वारा 24 - 25 जुलाई की दरमियानी रात लगभग ढाई क्विंटल चंदन की लकड़ी काट कर चोरी की कोशिश की गई थी। वन अमले ने सूचना पर एक चंदन तस्कर को तो पकड़ लिया लेकिन उसके द्वारा बताये गये अन्य आरोपियों तक आज तक वन विभाग की टीम नहीं पहुंच सकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वन विभाग अपने काम को लेकर कितना सजग है। आपको बता दें कि कोरिया जिले के

एकमात्र चंदन नर्सरी में अवैध चंदन तस्करों की लंबे समय से निगाह गड़ी हुई है यही कारण है कि समय-समय पर चंदन तस्कर यहां से चंदन की लकड़ी को काट कर ले जाते हैं। बीते 24 - 25 जुलाई की दरमियानी रात को भी फेंसिंग में लगी जाली को काटकर 5 चंदन तस्कर जंगल के अंदर घुस गए थे। उनके द्वारा लगभग ढाई क्विंटल चंदन की लकड़ी को काट लिया गया था और ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी समय ना जाने कैसे वन अमले को इस बात की जानकारी हो गई और उनके द्वारा जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया गया। वन अमले को देखकर चंदन तस्कर भागने लगे इनमें से एक चंदन तस्कर वन अमले की पकड़ में आ गया। उसने अपना नाम बिलमिस पवार और पता सिरपुरा जिला डिंडोरी मध्यप्रदेश बताया साथ ही अपने अन्य साथियों का भी नाम पता बताया। पकड़े गए चंदन तस्कर को वन विभाग ने कोर्ट में पेश तो कर दिया लेकिन उसके द्वारा बताए गए उसके अन्य साथियों तक आज तक वन विभाग की टीम नहीं पहुंच सकी है।एक चंदन तस्कर को पकड़कर अपनी पीठ खुद थपथपा लेने वाले वन विभाग की कामयाबी किसी से छिपी नहीं है। वन संपदा और वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर विभाग कितना संजीदा है ये सहज अनुमानित है। अफसर अब केवल निर्माण कार्यों की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे है क्योकि जंगल मे मोर नाचा किसने देखा। जब इस संबंध में हमने बिहारपुर वन परिक्षेत्राधिकारी शंखमुनि पाण्डेय से जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि पकड़े गये तस्कर ने अपने अन्य साथियों के नाम पते बताये थे। उनके हर संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है। अभी तक अन्य आरोपी पकड़ मे नही आये हैं लेकिन जल्दी ही सभी आरोपियों को भी पकड़ लिया जायेगा।

निर्जला उपवास रखकर महिलाओं ने मनाया हरतालिका तीज

कोरिया जिले में भी महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर मनाई हरतालिका तीज त्योहार पति के लिए मांगी लंबी उम्र के साथ सुख समृद्धि की कामना । आपको बता दें कि अखंड सौभाग्य वरदान प्राप्त करने के लिए सुहागिन महिलाएं हरतालिका तीज व्रत रख रही है सुहागिन महिलाओं के लिए हरतालिका तीज के त्यौहार का विशेष महत्व है इस चीज में महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखती हैं तीज की शाम के समय महिला सिंगार करते हुए भगवान शिव और माता पार्वती भगवान गणेश और कार्तिकेय की पूजा करती है , हरतालिका तीज पर रखने और पूजा करने से सौभाग्य और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है ।

अन्न-जल ग्रहण करना वर्जित

हरतालिका तीज का व्रत बेहद ही कठिन माना जाता है और इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं। इस व्रत में भोजन ही नहीं, बल्कि फल व पानी का भी सेवन नहीं किया जाता। व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद होता है और तभी कुछ ग्रहण किया जाता है। आज भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि है और इसी तिथि पर हर वर्ष हरतालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं सुंदर वस्त्र-आभूषण पहन कर मिट्टी या बालू से मां पार्वती और शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा करती हैं। पूजन में सुहाग की सभी सामिग्री को एकत्रित कर थाली में सजाकर माता पार्वती को चढ़ाना गया ।नैवेध में भगवान को घेवर, खीर पूरी,हलुआ और मालपुए से भोग लगाकर प्रसन्न भी किया गया।तत्पश्चात तीज माता की कथा सुनी गई। हिंदू धर्म में तीज के पर्व का विशेष महत्व होता है। तीज में भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष आराधना की जाती है। उत्तर भारत में तीज के त्योहार को विशेष और भव्य रूप से मनाया जाता है। इस

दिन सुहागिन महिलाएं विशेष रूप से पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। आज हरतालिका तीज पर्व मनाया जा रहा है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरतालिका तीज मनाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर ही माता पार्वती की सखी सहेलियों ने उनके पिता के घर से हरण करके जंगल में भगवान शिव की उपासना करने के लिए लेकर गईं थीं। जहां पर माता पार्वती ने कठोर तप करते हुए भगवान शिव को पति के रूप में पाया था।

हरतालिका तीज की पूजा के लिए उत्तम मुहूर्त

हरतालिका तीज पर सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्यवती और जीवन में सुख-सुविधा और संपन्नता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हरतालिका तीज पर प्रदोष काल में पूजा करना सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसे में आज शाम को 06 बजकर 33 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 51 मिनट तक प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की गई ।

पेंड्रा - मरवाही के सर्व अनुसूचित जाति समाज संघ के पदाधिकारियों ने इंद्र कुमार मेघवाल को श्रद्धांजलि दी

पेंड्रा - मरवाही - दिनांक 28.8.2022को मल्टीपरपज हायर सेकंडरी पेंड्रा असेम्बली हाल में बालक इंद्र कुमार मेघवाल के साथ हुए दुखद घटना की जितना भी निंदा किया जाय वो कम है जिसके संबंध में सर्व अनुसूचित जाति समाज संघ गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला अध्यक्ष श्री मुरारी लाल रैदास जी की नेतृतव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तथा समाज को संगठित होकर अत्याचारियों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्हें उचित दंड दिलाने तथा इंद्र कुमार मेघवाल को उचित न्याय दिलाने के लिए रणनीति बनाने के लिए सर्व अनुसूचित जाति समाज संघ में चर्चा किया गया जिसमें उपस्थित पदाधिकारी श्री राकेश चौधरी जी जिला सचिव जयलाल पंत जी जिला उपाध्यक्ष मरवाही जगदीश चौधरी जी जिला उपाध्यक्ष पेंड्रा प्रकाश रैदास जी जिला संयोजक, जिला प्रवक्ता

अजय कुमार चौधरी जी तथा पारस चौधरी जी संतोष लाल जी रुपेश चौधरी जी पेंड्रा ब्लाक अध्यक्ष कैलाश लदेर जी बेचन दास जी रोहित दास जी तथा बहुत से सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति रही सभी लोग मिलकर कैंडल जलाकर इंद्र कुमार मेघवाल को सादर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

कलम की ताकत

कवि, रचनाकार, साहित्यकार, कलमकार अपने सोच से वह सब बोलता और लिखता है जो समाज में घट रहा होता है। व्यवस्था परिवर्तन में अस्त्र शस्त्र की आवश्यकता नहीं है, विचारधारा की आवश्यकता है और वह महत्वपूर्ण विचार कलमकार, रचनाकार, साहित्यकार अपनी कलम की धार से समाज को जागरूक कर सकते हैं। हम सामाजिक लोग हैं हमे फूल, प्रकृति,पर्वत, नंदी, हवाएं, रिमझिम बरसात, प्राकृतिक दृश्यों और प्रेम, मोहब्बत, इश्क के अलावा, मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए अपने कलम चलाने चाहिए। शोषण, उत्पीड़न, अन्याय, ढोंग, पाखंड, जातिवाद, उंचनीच, छुआछूत जैसी अव्यवस्थाओ के खिलाफ भी लिखना होगा क्योंकि हमारे महापुरुषों ने अपनी ताउम्र इन्हीं कुप्रथाओं के खिलाफ आंदोलन किया था।कवि केवल मंच पर वाहवाही पाने,फूल माला पहनने की सोच तक सीमित ना हो। बल्कि मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए अपने लेखन को महत्व दें।

लिखे ऐसा जो पीढ़ी का मार्गदर्शन करें
जिसे पढ़कर भावी पीढ़ी आत्मचिंतन करें

हरीश पांडल
विचार क्रांति

स्वाधीनता के रंग में रंगा कार्यक्रम, लोक कलाकारों ने अनोखे अंदाज में सुनाई आजादी के नायकों की कहानियां

संगीत नाटक अकादेमी में 27 से 29 अगस्त तक आयोजित किया गया रंग स्वाधीनता कार्यक्रम

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देश में मनाए जा रह आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत संगीत नाटक अकादेमी ने रंग स्वाधीनता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले आजादी के योद्धाओं की याद में 27 से 29 अगस्तक इस उत्सव का आयोजन किया गया। हर दिन शाम को 6 बजे रविंद्र भवन स्थित मेघदूत थिएटर-तीन में लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में लोक परंपराओं के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया गया। इस वर्ष का रंग स्वाधीनता उत्सव लोक गायन शैलियों पर केंद्रित था। इस उत्सव में भारत के नौ राज्यों के कुल बारह दल और लगभग सौ कलाकार ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन से हुई। समापन में अकादेमी के सचिव अनीस पी राजन ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

लोक कलाओं को बचाने की पहल है रंग स्वाधीनता

अकादेमी पिछले छह वर्षों से रंग स्वाधीनता उत्सव मना रही है। इस उत्सव का उद्देश्य विभिन्न रचना शैलियों के माध्यम से भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाना है। विविध सांस्कृतिक कथा गायन शैलियों और लोक गायन शैलियों को मंच देकर लोगों तक पहुंचना है। भाग लेने वाले कलाकार स्वतंत्रता आंदोलन के महान नायकों और उनके संघर्षों के बारे में गाथागीत प्रस्तुत करते हैं।

आल्हा गायन में सुनाई गई चंद्रशेखर आजाद की कहानीं: हर दिन कलाकारों के दल ने 4 प्रस्तुतियां दीं। हरियाणा, रोहतक के सुभाष नगाड़ा एंड ग्रुप द्वारा नगाड़ा,

चिमटा, बीन, सारंगी, ढोल, तुम्बा, बैंजो, शहनाई और हारमोनियम जैसे वाद्ययंत्रों पर भक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम शुरू किया। इसके बाद रामरथ पाण्डेय एवं उनके साथी कलाकार उत्तर प्रदेश के आल्हा गायन शैली में चंद्रशेखर आजाद की वीरता का गुणगान करते हुए गाथागीत गाया। फिर श्री चुन्नीलाल रैकवार की प्रस्तुति और मध्य प्रदेश के लोक नृत्य ढिमरयाई के साथ गीतों के समूह की प्रस्तुति दी। अंत में गफरुद्दीन मेवाती और उनके साथी कलाकार राजस्थान के पांडुवन का कड़ा पर अपनी महारत का प्रदर्शन कर लोगों का दिल जीत लिया।

बिरसा मुंडा को किया गया याद: 28 अगस्त को चेतन देवांगन और उनके साथी कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की पंडवानी शैली में बिरसा मुंडा पर गीत प्रस्तुत किये। इसके बाद गजरला कोमुरय्या एंड ग्रुप तेलंगाना की ओग्गू कथा गायन शैली में वीरता से भरे गीत ने लोगों में उत्साह भर दिया। देश राज शशली और उनके साथी कलाकार उधम सिंह की शहादत को पंजाब की ढाड़ी गायन शैली में सुनाया। रानी लक्ष्मीबाई की कहानी प्रज्ञा शर्मा और हिमांशु बाजपेयी की सुरीली आवाजों में जीवंत हो उठी।

लोगों ने सुनी छत्रपति शिवाजी के गौरव की गाथा: अंतिम दिन चंदन तिवारी और उनके साथी कलाकारों ने बिहार के लोकगीत गाये, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों का वर्णन था। धर्मेंद्र सिंह एंड ग्रुप हरियाणा की रागिनी गायन शैली में सुभाष चंद्र बोस के बारे में गीत प्रस्तुत किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में पोवाड़ा गीत देवानंद माली और उनके साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत दी गई। शिवाजी के गीत सुन तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। कार्यक्रम का समापन शैलेश श्रीवास्तव और उनके साथी कलाकारों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को सलाम करते हुए उत्तर प्रदेश के लोक गीत प्रस्तुत कर हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाढ़ प्रभावित हिनोतिया और गुजरखेड़ा ग्राम में लिया नुकसान का जायजा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गणेश जी की स्थापना कर अपनी जनता के बीच आया हूँ। गणेश जी के बाद जनता ही मेरी भगवान है, ग्राम हिनोतिया और गुजरखेड़ा आकर मैं जनता की पूजा कर रहा हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधवार को विदिशा जिले के बाढ़ प्रभावित ग्राम हिनोतिया और गुजरखेड़ा में ग्रामीणों की व्यथा जानने के बाद उनसे संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरे ग्रामीण भाई यदि परेशान हैं तो मैं चैन से कैसे बैठ सकता हूँ। केवल हिनोतिया और गुजरखेडा ही नहीं, विदिशा जिले के 1336 गाँव के 27 हजार 639 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। मैं अपनी जनता को इस संकट से निकाल कर ले जाऊँगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने मिट्टी के ढेर बन गए मकानों को देखा है, गृहस्थी भी डूब गई और मवेशियों के अलावा फसलें भी बर्बाद हो गई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिनके मकान बाढ़ से टूट गये है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे आवास निर्माण कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि फसलों को हुए नुकसान के लिए आरबीसी 6-4 में सहायता के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा की राशि से भी भरपाई की जाएगी। साथ ही गाय, भैस, बकरी आदि मवेशियों के लिए भी मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनके पास रहने के लिये घर नहीं बचा, उन्हें घर बनने तक अस्थायी आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जिससे वे अपने बच्चों का पालन-पोषण कर सकें। उन्होंने जिला कलेक्टर को तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाढ़ से जिंदगी बचाने की चुनौती के बाद अब सभी पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिंदगी पटरी पर आ जाये, फिर सड़क और पुल-पुलियों के काम भी किये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के जो भी क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए है, उन्हें इस संकट और परेशानी से पार निकाला जायेगा। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले में बाढ़ से हुई क्षति के अब तक के आकलन के आधार पर 11 करोड़ 3 लाख 15 हजार रूपये तत्काल प्रभावितों के खातों में अंतरित किये जा चुके हैं। सांसद श्री राजबहादुर सिंह, कुरवाई विधायक श्री हरि सिंह सप्रे, शमशाबाद विधायक श्रीमती राजश्री सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारत और इजराइल दीर्घकालीन सहयोगी - कृषि मंत्री श्री पटेल

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया कि इजराइल हमारा दीर्घकालीन सहयोगी रहा है। मंत्री श्री पटेल ने आज नई दिल्ली के इजराइल दूतावास में इज़राइली राजदूत श्री नाओर गिलोन और प्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश में उन्नत कृषि के संबंध में वार्ता की। इज़राइली प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि हरदा में सेंटर फॉर एक्सीलेंस इंडो इजराइल प्रोजेक्ट शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। मंत्री श्री पटेल ने इजराइल की उन्नत कृषि और जल प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ नॉलेज शेयरिंग से प्रदेश को लाभ मिलेगा। इसके लिये मध्यप्रदेश का हरदा जिला उपयुक्त और महत्वपूर्ण क्षेत्र हो सकता है। हरदा में कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। इज़राइली तकनीक का सहयोग मिलने से निश्चित की हरदा के साथ प्रदेश के किसानों को भी लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी की पुण्य-तिथि पर नमन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न स्व. श्री प्रणब मुखर्जी की पुण्य-तिथि पर निवास स्थित सभाकक्ष में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़ भी उपस्थित थे। पूर्व राष्ट्रपति स्व. श्री मुखर्जी का जन्म 11 दिसम्बर 1935 में पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले में हुआ। वे भारत के 13वें राष्ट्रपति थे। उन्होंने 25 जुलाई 2012 को राष्ट्रपति के पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें 26 जनवरी 2019 को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। स्व. श्री मुखर्जी ने द कोलिएशन ईयर्स 1996-2012 पुस्तक भी लिखी। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री रहते हुए विभिन्न मंत्रालयों का लम्बे समय तक दायित्व संभाला। वे अपने शुरूआती जीवन में वकालत और अध्यापन कार्य सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे। उनका निधन दिल्ली में 31 अगस्त 2020 को हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सुपर थर्टी के संस्थापक श्री आनंद कुमार के साथ किया पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी उद्यान में सुपर थर्टी के संस्थापक श्री आनंद कुमार के साथ बरगद, नीम और सप्तपर्णी के पौधे लगाए। गणेश चतुर्थी पर पौध-रोपण में मुख्यमंत्री श्री चौहान की पत्नी श्रीमती साधना सिंह तथा पुत्र श्री कुणाल सिंह सम्मिलित हुए। वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राघवेंद्र शर्मा, यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी.पी. अग्रवाल, प्रयास यूथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री अतुल घेंघट सहित सर्वश्री पीयूष जैन, चैतन्य श्रवण, रोहित शर्मा और शुभम मैना भी पौध-रोपण में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि श्री आनंद कुमार द्वारा निर्धन और कठिन परिस्थितियों में रह रहे विद्यार्थियों को आई.आई.टी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार करने सुपर थर्टी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया था।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर की गणेश प्रतिमा की स्थापना

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गणेश चतुर्थी पर मुख्यमंत्री निवास में गणेश प्रतिमा की स्थापना की। इसके पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान, धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र श्री कार्तिकेय सिंह तथा श्री कुणाल सिंह के साथ गणेश प्रतिमा लेने माता मंदिर चक्की चौराहा क्षेत्र पहुँचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिनेश प्रजापति के श्रीराम नरेश आर्ट शिव कला केंद्र के पंडाल में श्री गणेश जी से निवास आगमन का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान सपरिवार गणेश प्रतिमा के साथ खुले सुसज्जित वाहन में पुष्प-वर्षा और ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री निवास की ओर रवाना हुए। जहाँ से न्यू मार्केट, बाणगंगा, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री श्री निवास पहुँचे। उन्होंने मार्ग में जन-सामान्य को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ दी और उनका अभिवादन स्वीकार किया। पुष्प-वर्षा और ÷गणपति बप्पा मोरिया, घर-घर पूजन हो रिया÷ और ÷एक-दो-तीन-चार-गणपति जी की जय- जय कार÷ के घोष के बीच श्रीमती साधना सिंह ने पूजा-अर्चना कर गणेश प्रतिमा का निवास में प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मीडिया प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना काल में भगवान श्रीगणेश की पूजा और उत्सव कोविड के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मनाने पड़े थे।

संशोधन संबंधी टास्क फोर्स की हुई बैठक

आरटीई एक्ट-2009 में संशोधन के लिये आये उपयोगी सुझाव : मंत्री श्री परमार

भोपाल। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि पात्र लोगों को अधिक से अधिक लाभांवित करने के लिये शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन के लिये उपयोगी सुझाव प्राप्त हुए हैं। मंत्री श्री परमार ने आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 संबंधी भारत सरकार द्वारा गठित सार्थक टास्क 295 की 8 सदस्यीय उप समिति ÷मानदंड एवं मानक÷ की बैठक में वर्चुअली शामिल होकर यह बात कही। भारत सरकार द्वारा आरटीई एक्ट-2009 में आवश्यक संशोधन के लिये गठित इन 3 उप समितियों में से एक ÷मानदंड एवं मानक÷ के अध्यक्ष मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार अध्यक्ष हैं। आज संपन्न हुई बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्कूलों की अधो-संरचना के लिए मानक एवं मानदंड, सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में सामान्य स्कूलों एवं विशेष शिक्षा के लिए मानदंडों तथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 में विभिन्न प्रावधानों एवं विभिन्न बिंदुओं पर संशोधन हेतु प्रासंगिक सुझावों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। आठ सदस्यीय समिति में अधिकांश सदस्यों ने आरटीई एक्ट में व्यापक संशोधन के बदलाव के सुझाव दिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाज की आवश्यकता अनुसार पाठयक्रम की विषय-वस्तु को पुनः परिभाषित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य की पूर्ति के लिये आरटीई एक्ट- 2009 में आवश्यक संशोधन पर व्यापक विचार-मंथन किया जाना अत्यावश्यक है। बैठक में इग्नू से प्रोफेसर श्री चंद्रभूषण, दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत प्रो. चांद किरण सलूजा, संयुक्त सचिव कानून एवं विधि मंत्रालय, संयुक्त सचिव शिक्षा, संयुक्त सचिव वित्त, संचालक एनसीईआरटी तथा सचिव गुजरात शिक्षा विभाग सदस्य के रूप में वर्चुअली उपस्थित रहे।

संपादकीय

क्या 2024 में भाजपा आलाकमान की उम्मीदों पर खरे उतर पायेंगे भूपेंद्र चौधरी ?

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी हालांकि अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही चुनौतियों का सामना करते रहे हैं लेकिन मिशन-2024 को सफल बनाने की जिम्मेदारी उनके लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि भूपेन्द्र चौधरी की काबलियत को आलाकमान ने पहचान कर ही उन्हें यह पद सौंपा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को नया अध्यक्ष मिला यह तो औपचारिकता थी, लेकिन सबसे खास बात यह रही कि भाजपा आलाकमान की सोच तक कोई नेता या मीडिया कर्मी पहुंच नहीं सका। संभवतः मीडिया में जो नाम चल रहे थे, उसमें से कोई भी या तो शीर्ष नेतृत्व की कसौटी पर खरा नहीं उतरा अथवा आलाकमान की लिस्ट में यह नाम होगा ही नहीं। दिल्ली के तख्त पर 2024 में तीसरी बार मोदी की ताजपोशी करने के लिए यह जरूरी था कि उत्तर प्रदेश में सियासी गोटियां कायदे से बिछाई जाएं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मोदी को दो-दो बार पीएम बनाने में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका रही थी। तीसरी बार भी यूपी की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश में 2014 और उसके बाद जितने भी चुनाव हुए जनता ने बीजेपी की झोली वोटों से भर दी थी। 2024 के आम चुनाव में भाजपा अपना सौ फीसदी परफॉरमेंस देना चाहती है। वैसे पार्टी के लिए 2014 के बाद से यूपी 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' साबित हो रही है, लेकिन उसे चिंता इस बात की भी है कि कहीं वोटों का अंडा देने वाली मुर्गी वोट रूपी अंडे देना बंद नहीं कर दे। ऐसा न हो इसीलिए भाजपा आलाकमान ने काफी सोच विचार के बाद योगी सरकार के पंचायतीराज मंत्री और पश्चिमी यूपी के बड़े जाट नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। चौधरी की नियुक्ति से ना केवल पश्चिमी यूपी में भाजपा को मजबूती मिलेगी बल्कि इसके अलावा उसके इस फैसले से जाट वोट बैंक का रुझान भी भाजपा की तरफ बढ़ सकता है। शीर्ष नेतृत्व ने लगातार दूसरी बार पिछड़े वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर पश्चिम से पूर्वांचल तक पिछड़े और अति पिछड़े वोट बैंक को भी साधे रखने की कोशिश की है। चौधरी भले ही भाजपा के 14वें प्रदेश अध्यक्ष हों, लेकिन पहले ऐसे जाट नेता जरूर बन गए हैं जिसने यूपी में भाजपा की कमान संभाली है। भाजपा ने पहली बार किसी जाट नेता को संगठन की कमान सौंपी है। 54 वर्षीय भूपेंद्र चौधरी का जन्म मुरादाबाद के महेंद्री सिकंदरपुर गांव में हुआ था। चौधरी की जाट समाज के साथ पश्चिमी यूपी में गुर्जर, ब्राह्मण, त्यागी समाज में मजबूत पकड़ है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर क्यों भाग रहे हैं अशोक गहलोत ?

राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभालें। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद म्यूजिकल चेयर बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द घूम रहा हैं। मगर सभी नेता अध्यक्ष बनने से इनकार कर रहे है। कांग्रेस पार्टी के हर बड़े नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। मगर राहुल गांधी अध्यक्ष बनने से लगातार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को साफ शब्दों में कह दिया है कि वह किसी भी सूरत में कांग्रेस अध्यक्ष बनना नहीं चाहते हैं। वह बिना पद के ही पार्टी का काम करना चाहते हैं।

राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभालें। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं। जैसे ही कांग्रेसी हलकों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अशोक गहलोत का नाम आगे आया वैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया। गहलोत का कहना है कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मजबूत कर सकते हैं। उनका कहना है कि अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए थे। जिसका लाभ आने वाले समय में कांग्रेस को मिलेगा। गहलोत राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए 250 से अधिक बड़े नेताओं से समर्थन लेकर राहुल गांधी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत का कहना है कि मुझे राजस्थान की जिम्मेवारी मिली हुई है। जहां मेरा कार्यकाल बाकी है। अभी मैं राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहता हूं। गहलोत का कहना है

कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ ही गुजरात में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में वह अपनी दोनों जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक

■ अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है।

निर्वहन कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाएं। अभी वह इसी मिशन में लगे हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालना उनके लिए अनुकूल नहीं है। यह सभी को पता है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं।

वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही गहलोत तीन बार राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता और तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं। बहुमत नहीं मिलने पर भी जोड़-तोड़ कर वह दूसरी बार सरकार बनाकर सफलतापूर्वक चला रहे हैं, ऐसे में वह किसी भी स्थिति में मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ना चाहते हैं। गहलोत को पता है कि यदि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर जयपुर से दिल्ली जाते हैं तो उनके स्थान पर कांग्रेस आलाकमान उनके कट्टर विरोधी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना सकता है। जो गहलोत किसी भी स्थिति में नहीं होने देना चाहते हैं। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है। दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा अपने स्तर पर दोनों नेताओं के मध्य सुलह करवाने के उपरांत भी दोनों नेताओं के मन अभी तक नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं चाहेंगे कि उनके बाद पायलट राजस्थान में मजबूत होकर अपने पैर जमा सकें। गहलोत को पता है कि राजस्थान की राजनीति व दिल्ली की राजनीति में बड़ा फर्क है। राजस्थान की राजनीति को तो वह वर्षों से अपनी अंगुली पर नचा रहे हैं। मगर दिल्ली जाने के बाद ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। उनको पता है कि यदि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो पार्टी तो गांधी परिवार के नियंत्रण में रहेगी। ऐसे में वह मात्र कठपुतली बनकर रह जाएंगे। ऊपर से राजस्थान भी उनके हाथ से निकल जाएगा। अगले कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी। तब असफलता का ठीकरा उनके सर ही फूटेगा। गहलोत किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इसीलिए वह दिल्ली जाने के लिए आनाकानी कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की अपनी-अपनी वफादारों की मंडली है। जिन की सलाह पर यह नेता काम करते हैं। यदि गहलोत दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इन वफादार नेताओं की बातों को अनसुना करते हैं तो उन्हें उनकी साजिशों का शिकार होना पड़ेगा। और उनका दिल्ली की राजनीति में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। अभी गहलोत राजस्थान में जैसा चाहते हैं वैसा ही पार्टी करती है। राजस्थान के अधिकांश मंत्री व विधायक उनके ही वफादार हैं। राजनीतिक नियुक्तियों में भी ज्यादातर गहलोत समर्थकों को पदों से नवाजा गया है। पिछले दिनों राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के चुनाव हुये थे। जिनमें गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान की पसंद को तवज्जो देते हुये तीनों ही बाहरी लोगों को चुनाव जीता कर भेजा था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला व प्रमोद तिवारी राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। यह सभी दिल्ली की राजनीति में भारी-भरकम नेता माने जाते हैं तथा दिल्ली में गहलोत की खुलकर पैरवी करते हैं। दिल्ली में अपनी मजबूत लॉबी के बल पर ही गहलोत पायलट को हासिये पर लगा पाये हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पांच बार लोकसभा, पांच बार विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। गहलोत 1980 में पहली बार लोकसभा सदस्य बने थे और उसी दौरान 1982 में इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में उप मंत्री बनाए गए थे। उसके बाद राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर भी गहलोत केंद्र सरकार में राज्य मंत्री बने थे। पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में भी गहलोत को राज्यमंत्री बनाया गया था।

डूबते पाकिस्तानियों को ऐसा क्यों लग रहा है कि अब मोदी ही बचा सकते हैं?

पाकिस्तान इस समय बाढ़ में किस कदर डूबा हुआ है इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि उसका 80 प्रतिशत से ज्यादा भाग पानी-पानी हो चुका है। हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, लगभग चार करोड़ लोग बेघर हो गये हैं, खाने-पीने का सामान नहीं बचा है, तंबू हैं नहीं कि कहीं बाहर ही उसे लगाकर बारिश से बचा जाये, पुल-पुलिया टूट चुके हैं, महंगाई आसमान पर है, हेलिकाप्टर में तेल डलवाने के लिए पैसे नहीं हैं जिससे कि राहत कार्यों को अंजाम दिया जा सके। नाव पर घूम-घूमकर कुछ इलाकों में रोटियों के टुकड़े फेंके जा रहे हैं जिससे लोग अपनी कुछ भूख मिटा सकें। पाकिस्तान किस कदर आर्थिक तंगी से जूझ रहा है इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि मदद की गुहार सिर्फ प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ही नहीं लगा रहे बल्कि पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष बाजवा भी लोगों से मदद की भावुक अपील

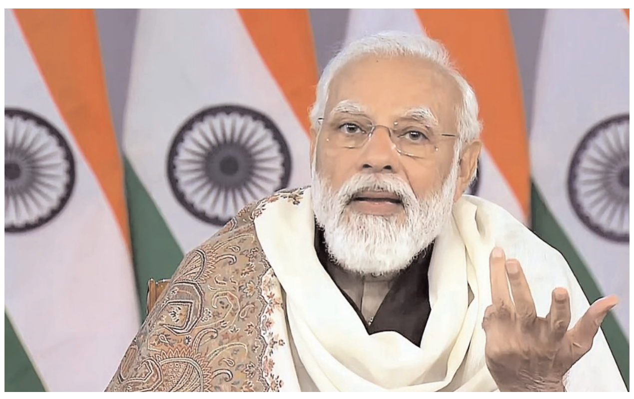

कर रहे हैं। हालात ऐसे हो चुके हैं कि देश में आपातकाल लगाना पड़ा है। कर्ज में डूबे पाकिस्तान की इस मुश्किल समय में मदद के लिए उसका दोस्त चीन भी सामने नहीं आ रहा है। मुस्लिम देश भी बार-बार पाकिस्तान की मदद करके थक चुके हैं ऐसे में पाकिस्तान अब अपने पड़ोसी देश भारत से उम्मीद लगा रहा है। पाकिस्तान जानता है कि भारत की वह कितनी भी बुराई करे लेकिन पूरी दुनिया में यही एकमात्र देश है जो दुनिया में कहीं भी संकट के समय निस्वार्थ भाव से मदद करता है। पड़ोसियों को तो भारत अक्सर मदद देता ही रहता है। मॉलदीव, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश इस समय भारत से मिल रही हर तरह की मदद के भरोसे ही दोबारा अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश कर रहे हैं। अब सवाल उठता है कि क्या भारत अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान की मदद करेगा? जहां तक आपदा से जूझ रहे पाकिस्तान के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करने की बात है तो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वह पाकिस्तान में बाढ़ से हुई तबाही को देखकर दुखी हैं। उन्होंने पड़ोसी देश में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद जताई है। उधर पाकिस्तान के लोग भी अब मोदी से ही मदद की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मोदी है तो सबकुछ मुमकिन है। जब पाकिस्तान के एक स्थानीय चैनल ने इस मुद्दे पर पाकिस्तानी जनता की राय जानी तो सभी ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि मोदी के नेतृत्व में भारत आकाश की बुलंदियों को छू रहा है। लोगों ने अपने यहां भी मोदी जैसा नेता होने की इच्छा जाहिर की। पाकिस्तानी जनता का कहना है कि भारत में जिस तरह आगामी चुनौतियों से निपटने की पहले ही तैयारी कर ली जाती है वैसा तंत्र अपने यहां भी बनना चाहिए।

भ्रष्टता की ऊंची मीनार का ध्वस्त होना ईमानदारी के साम्राज्य की शुरुआत है

हमारा भ्रष्ट चरित्र देश के समक्ष गंभीर समस्या बन चुका है। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने तक की हमारी आजादी की यात्रा में पहली बार नोएडा में सन्नाटे के बीच हुए जोरदार धमाके के बीच साहसिक तरीके से ट्विन टावर रूपी भ्रष्टता के किले को ध्वस्त किया गया। इससे उठे धूल के गुबार के बीच भ्रष्टाचार की नींव पर बने अवैध ट्विन टावर को जमींदोज कर दिया गया। 3700 किलो विस्फोटक की मदद से यह इमारतें कुछ ही सेकेंड में ध्वस्त हो गईं। इस विस्फोट से उठे गुबार से ऐसी भ्रष्टता की ऊंचे किले गढ़ने वालों को कड़ा सबक मिला है। हजारों करोड़ की इस इमारत को जमींदोज करने का लक्ष्य भी यही है कि राजनीति से लेकर प्रशासन तक, समाजसेवियों से लेकर धर्मगुरुओं तक, व्यापारियों से लेकर उद्योगपतियों तक, डॉक्टरों से लेकर इंजीनियर, वकील, सीए, न्यायाधिपति तक, स्कूलों से लेकर अस्पतालों तक फैले भ्रष्टाचार के ऊंचे किलों को ध्वस्त करना राष्ट्र की सबसे जरूरी प्राथमिकताओं में एक है। आजादी के 75 वर्षों में हमने नैतिक, ईमानदारी एवं चरित्र की धारणाओं को पुष्ट करने की बजाय देश में यह आम धारणा को पनपाया

है कि अपने यहां सब चलता है। नियम-कानूनों को धता बताते हुए जैसे भी हो जमीन लेकर बिल्डिंग खड़ी कर दो, एक बार फ्लैट्स बिक गए, लोग उसमें रहने लगे तो फिर कुछ नहीं होता। भ्रष्टाचार का टावर कहे जाने वाले इस ट्विन टावर को गिराए जाने से इस धारणा को तोड़ने में थोड़ी मदद जरूर मिलेगी। लेकिन इस प्रकरण ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं। एक तो यही कि अवैध बिल्डिंग तो गिरी, पर बिल्डिंग बनाने वालों का क्या? आखिर बिना सरकारी, प्रशासनिक, न्यायिक संरक्षण, पुलिस के इतनी बड़ी बिल्डिंगें कैसे खड़ी हो जाती है? इस सिलसिले में पहली बात यह याद रखने की है कि बिल्डिंग को पूरी तरह से कंस्ट्रक्शन कंपनी के खर्च पर गिराया गया है।

रायसेन की सोनिया नीदरलैंड व बेल्जियम में दिखा रही हाकी का हुनर

रायसेन। जिले के औद्योगिक शहर मंडीदीप की सोनिया कुमरे नीदरलैंड एवं बेल्जियम में भारतीय हाकी टीम की ओर से खेलकर हुनर दिखा रही हैं। प्रतिभावान खिलाड़ियों को अगले ओलंपिक के लिए तैयार करने के उद्देश्य से विदेश दौरे की अनुभव यात्रा व मैचों की सीरिज खेलने के लिए विदेश दौरे पर भेजा गया है। प्रतिभावान उत्कृष्ट हाकी खिलाड़ियों में रायसेन की हाकी खिलाड़ी कुमरे भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी की यह टीम 22 अगस्त को भारत से रवाना होकर नीदरलैंड पहुंची है। टीम नीदरलैंड में 25 अगस्त से 5 सितंबर तक लीग मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इसके पश्चात टीम 6 से 10 सितंबर तक बेल्जियम में लीग मैच खेलेंगी। उल्लेखनीय है कि जिले की प्रतिभावान हाकी खिलाड़ी कुमरे का चयन पूर्व में सेंटर फार एक्सिलेंस के लिए हुआ था। साथ ही सोनिया का चयन भारत सरकार की टॉप्स योजना के अंतिम चरण के चयन के लिए भी किया गया था। सोनिया जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता एवं खेलो इंडिया अंडर-21 राष्ट्रीय हाकी लीग चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता टीम की सदस्य हैं। वर्तमान में सोनिया प्रतिष्ठित मध्य प्रदेश राज्य महिला हाकी एकेडमी में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। सोनिया की इस उपलब्धि पर कलेक्टर अरविन्द दुबे, एसपी विकास कुमार शाहवाल, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी जलज चतुर्वेदी, जिला हाकी संघ के अध्यक्ष आलोक भार्गव, उपाध्यक्ष रिवान अली, दिनेश दांगी, नरेंद्र सेन, सद्दाम खान, मनीष ने सोनिया व उनके प्रशिक्षक प्रह्लाद राठौर को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। गौरतलब है कि जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए जिला खेल विभाग की ओर से विभिन्ना खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। मंडीदीप स्थित खेल स्टेडियम में हाकी का विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था है। यहां से प्रशिक्षित अनेक हाकी खिलाड़ियों ने राज्य व राष्ट्रीय स्तर के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

दस गांव पांच दिनों से बेतवा व हलाली डैम की बाढ़ से घिरे

रायसेन। जिले के सांची ब्लाक अंतर्गत दस गांव पिछले पांच दिनों से बेतवा नदी व हलाली डैम की बाढ़ से घिरे हुए हैं। पांच दिनों पहले जलभराव के कारण करीब 45 गांव डूब में आए थे। जैसे-जैसे जलस्तर कम हो रहा है वैसे-वैसे डूब प्रभावित ग्राम बाढ़ मुक्त हो रहे हैं। बुधवार तक 35 ग्राम बाढ़ मुक्त हो गए थे। गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक व स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी, कलेक्टर अरविंद दुबे, एसपी विकाश कुमार शाहवाल ने राजस्व एवं स्वास्थ्य अमला के साथ मोटरबोट से बाढ़ग्रस्त ग्रामों कायमपुर, जमुनिया, नोनाखेड़ी सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को भोजन के पैकेट व दवाइयां दी हैं। डा. चौधरी ने प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवारों को शासन से अनाज व आर्थिक मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है। भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति के बाद जिन खेतों, घरों में पानी घुसा, फसलें बर्बाद हुई तथा कच्चे घरों और सामान का नुकसान हुआ है उन्हें राहत राशि दिलवाई जाएगी। मंत्री व प्रशासन अभी बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे कराने की बात कर रहे हैं, लेकिन प्रभावितों से बातचीत के आधार पर बाढ़ से जिले में दो सौ करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रशासनिक अमला करीब 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में जलभराव से फसलों को नुकसान होने का पूर्वानुमान लगा रहा है, जबकि ग्रामीणों का दावा है कि करीब पचास हजार हेक्टेयर में फसलों को नुकसान हुआ है।

यह गांव अब भी बाढ़ से घिरे

गुरुवार की शाम तक सांची ब्लाक के धोबा खेड़ी, उड़देन, नांद, बरोला, बराईखास, तिजालपुर, कायमपुर, नोनाखेड़ी, पिपलिया खुर्द, विलोकी ग्राम बाढ़ से घिरे हुए हैं। इन ग्रामों में लगभग तीन हजार लोग निवास करते हैं। इन ग्रामों के रहवासी पिछले छह दिनों से बाढ़ की विभीषिका का सामना कर रहे हैं। चारों ओर से जलभराव होने के कारण इन ग्रामों के लोगों को खाने-पीने के सामान को तो मोहताज होना ही पड़ा है साथ ही घरों में एकत्र अनाज, घरेलू उपयोग की सामग्री व कृषि संबंधी सामान खराब हो गए हैं। बिजली गुल होने के कारण मच्छरों, जहरीले कीड़ों से भी जूझना पड़ रहा है। कुछ घरों में तो कीचड़ एकत्र होने से रहने-सोने की जगह भी नहीं बची है। गौरतलब है कि रविवार को अतिवृष्टि होने के कारण बेतवा नदी और हलाली डैम का जलस्तर बढ़ने के कारण सांची जनपद के अनेक ग्रामों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई है। सोमवार को करीब डेढ़ सौ ग्रामों में बेतवा नदी व हलाली डैम की बाढ़ का जलभराव हो गया था। मंगलवार को वर्षा थमने के बाद करीब सौ ग्राम बाढ़ मुक्त हो गए थे। दाहोद, केरवा व कलियासोत बांधों के गेट खोलने के कारण बेतवा तथा हलाली डैम का जलस्तर बढ़ा रहा। जैसे-जैसे जलस्तर कम होने लगा वैसे-वैसे ग्राम बाढ़ मुक्त होने लगे। बुधवार शाम तक करीब 35 ग्राम बाढ़ मुक्त हो गए। गुरुवार की शाम तक दस गांव बाढ़ से घिरे हुए थे। संभावना जताई जा रही है कि शुक्रवार को जलस्तर कम होने पर सभी ग्राम बाढ़ मुक्त हो जाएंगे।

मरीज को रेस्क्यू कर पहुंचाया जिला अस्पताल

बाढ़ प्रभावित ग्राम बरोला बराईखास में हिप डिसप्लेसमेंट के मरीज को इलाज की आवश्यकता होने की जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार शिवांगी खरे ने चिकित्सा दल के साथ बरोला बराईखास पहुंचीं। खरे के निर्देशन में चिकित्सा दल ने ग्रामवासी हरि सिंह जाटव का सावधानी पूर्वक रेस्क्यू किया। इलाज के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा गया। जहां मरीज हरि सिंह का उपचार प्रारंभ किया गया।

जिले में अब तक 1318.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायसेन जिले में एक जून से 25 अगस्त तक 1318.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 538.9 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक जून से 25 अगस्त तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 1481 मिलीमीटर, गैरतगंज में 1393, बेगमगंज में 1464.6, सिलवानी में 1188, गौहरगंज में 1367, बरेली में 1324.2, उदयपुरा में 1422.4, बाड़ी में 1348.5, सुल्तानपुर में 1251.2 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 943.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेकर ग्रामीणों को भोजन-दवाइयां तत्काल उपलब्ध करा हैं। सभी बाढ़ प्रभावित लोगों को शासन की ओर से राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशासनिक अमला को शीघ्र ही सर्वे रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

हर किसी को नहीं मिलेगा भारत सीरीज का नंबर, आवेदन पर परिवहन विभाग करेगा विचार

इंदौर। केन्द्र सरकार की बहुप्रतिक्षित वाहनों की भारत सीरीज (बीएच) सीरीज को अगले महीने से इंदौर में लागू किया जाएगा। इसके लिए आवेदन आने लगे है। लेकिन हर आवदेनकर्ताओं को इस सीरीज में पंजीयन नहीं मिल जाएगा। क्षेत्रिय पंजीयन अधिकारी इस संबंध देखेंगे कि आवेदन कर्ता सभी जरूरी शर्तो को पूरा करता है या नहीं। आरटीओ के पास अभी से 10 फाइलें पेडिंग हो गई है। केंद्र सरकार ने नई गाड़ियों के लिए भारत सीरीज बीएच में पंजीयन की व्यवस्था लागू की है। एक राष्ट एक क्रमांक (वन नेशन वन नंबर) के तहत प्रदेश में जिस वाहन का पंजीयन भारत सीरीज बीएच में होगा, उस वाहन के मालिक को दूसरे राज्य में जाने पर अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं लेना पड़ेगा और न ही नया नंबर लेने की जरूरत पड़ेगी। अभी हर राज्य में जाने पर वहां पर वाहन को पंजीयन शुल्क देकर उस राज्य के आरटीओ से नंबर लेना होता है। इंदौर में एक अगस्त से वाहन पोर्टल पर पंजीयन शुरू हो गए है। जिसके बाद अब वाहनों का पंजीयन भारत सीरीज पर शुरू करने की तैयारी चल रही है। अगले माह से इसे शुरू कर दिया है। आरटीओ जितेन्द्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि भारत सीरीज में पंजीयन करवाने के लिए केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा बनाई गई शर्तो को पूरा करना होगा।

दस्तावेजों का होगा वेरीफिकेशन

रघुवंशी ने बताया कि बीएच सीरीज में पंजीयन करवाने के लिए वाहन मालिक को डीलर के यहां पर अपने दस्तावेज देने और इसके बाद एक आवेदन देना होगा। सरकारी कर्मचारियों को फार्म 20 भरना होगा, जबकि निजी कंपनियों में काम करने वाले लोगों को फार्म 60 भरना होगा। इसके अलावा अपना कर्मचारी परिचय पत्र और वर्क सर्टिफिकेट भी लगाना होगा। इसके बाद फाइल हमारे पास आएगी। जिस पर हम तय करेंगे कि वाहन भारत सीरीज में पंजीकृत होंगे या नहीं।

सारा अली से ब्रेकअप के बाद किसके प्यार में हैं कार्तिक आर्यन? अभिनेता ने दिया ये जवाब

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 के ब्लॉकबस्टर होने के बाद काफी मौज में हैं। बीते दिन गणेश चतुर्थी के मौके पर उनको बप्पा के दर्शन के लिए जाते हुए भी देखा गया था। कार्तिक को बॉलीवुड का हैंडसम हंक भी कहा जाता है। अभिनेता से काफी लड़कियां बहुत प्यार करती हैं। एक समय पर कार्तिक आर्यन सारा अली खान के साथ रिलेशनशिप में थे। कहा जाता था कि दोनों फिल्म लव आज कल 2 के दौरान करीब आए थे। लेकिन फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद दोनों के ब्रेकअप की भी खबरें सामने आने लगीं। हाल ही में अभिनेता ने अपने रिश्ते के खत्म होने के बारे में खुलासा किया है। कार्तिक आर्यन ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उनके और सारा के रास्ते कैसे जुदा हो गए थे। अभिनेता ने कहा कि अब वह सिंगल हैं। बता दें कि सारा और कार्तिक के रिश्ते की शुरुआत करण जौहर के शो कॉफी विद करण से हुई थी। इस दौरान सारा ने कहा था कि वह कार्तिक को डेट करना चाहती हैं। इसके बाद दोनों फिल्म लव आज कल 2 के सेट पर मिले और एक दूसरे को डेट करने लगे। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को छिपाने की काफी कोशिश की, लेकिन कहते हैं न कि इश्क और मुश्क छिपाए नहीं छिपते। हालांकि बाद में दोनों ने अपने ब्रेकअप की बात को भी कबूल किया। हाल ही में अभिनेता से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि उन्होंने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में झूठ क्यों बोला था। इस बारे में उन्होंने ज्यादा कुछ न बोलते हुए सिर्फ इतना कहा कि वह लास्ट 1.25 साल से सिंगल हैं। इसके अलावा वह कुछ नहीं जानते। इसके बाद कार्तिक से पूछा गया कि वह 1.25 साल कैसे इतना सटीक समय बता रहे हैं तो कार्तिक ने शर्माते हुए अपना स्टेटमेंट बदलत दिया और कहता कि वह पिछले 1 साल से सिंगल हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी आखिरी फिल्म भूल भुलैया ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

आमिर खान ने अपनी गलतियों के लिए मांगी क्षमा

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी है। जी हां, अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में एक व्यक्ति यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि अगर मैंने कभी भी किसी भी तरह से आपका दिल दुखाया है तो मन, वचन, काया से आपसे क्षमा मांगता हूं।÷ आमिर के वीडियो पोस्ट करने के बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स तेजी से कमेंट कर रहे हैं और उन्हें उनकी गलतियां गिना रहे हैं। आमिर खान द्वारा साझा किए गए वीडियो की शुरुआत शाहरुख खान की फिल्म कल हो न हो के म्यूजिक से होती। इसके बाद एक व्यक्ति की आवाज आती है, जो यह कहता है, ÷मिच्छामि दुखणम...हम सब इंसान है, और गलतियां इंसान से ही होती है। कभी बोल से, कभी हरकतों से, कभी अनजाने में, कभी गुस्से में, कभी मजाक में, कभी नहीं बात करने से। अगर मैंने कभी भी तरह से आपका दिल दुखाया है तो मन, वचन, काया से आपसे क्षमा मांगता हूं। बता दें कि मिच्छामि दुखणम जैन धर्म का सबसे प्रमुख पर्व है, इसे दसलक्षण पर्व भी कहा जाता है। इस पर्व के दौरान सावर्जनिक तौर पर क्षमा मांगी जाती है। इस पर्व का आखिरी दिन क्षमापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लोग एक-दूसरे से बीते साल में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगते हैं। इस शब्द का अर्थ होता है, मैंने जो भी बुरा किया हो वो फलरहित हो। आमिर खान ने इस पर्व पर क्षमा मांगी है। आमिर खान की इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, कोई गलती नहीं की सर आपने, आपको माफी मांगने की जरूरत नहीं...बस अगली मूवी ऐसी लाओ की सबकी बोलती बंद हो जाए।÷ वहीं अन्य यूजर ने लिखा, सिर्फ करीना को मूवीज में लेना नहीं और तुर्की और आईएसआई वालों से दूर रहा करो। फिर ये सब नाटक करने की जरूरत नहीं होगी।

नहीं रहे वॉल्ट डिज्नी के कार्यकारी उपाध्यक्ष-निर्माता रॉन लोगन

डिज्नी में अपनी अंतिम भूमिका में लोगन वॉल्ट डिज्नी एंटरटेनमेंट के कार्यकारी उपाध्यक्ष, कार्यकारी निर्माता थे। वह डिज्नीलैंड रिज़ॉर्ट, वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट, टोक्यो डिज्नी रिजॉर्ट, डिज्नीलैंड पेरिस, द डिज्नी इंस्टीट्यूट, डिज्नी बिजनेस प्रोडक्शंस, डिज्नी क्रूज लाइन, डिज्नी एंटरटेनमेंट प्रोडक्शंस सहित वॉल्ट डिज्नी कंपनी के लिए सभी लाइव मनोरंजन उत्पादों के निर्माण, कास्टिंग और उत्पादन के लिए जिम्मेदार थे। वॉल्ट डिज्नी के कार्यकारी उपाध्यक्ष -निर्माता रॉन लोगन अब इस दुनिया में नहीं रहे। वे 84 साल के थे। लोगन ने डिज़्नी में अपने करियर की शरुआत एक ट्रंपेट प्लेयर के रूप में की थी। जहां उन्हें कई मौकों पर वॉल्ट डिज्नी से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने 1960 के शीतकालीन ओलंपिक में डिज्नी की तरफ से परफॉर्म भी किया। साल 1978 में लोगन वॉल्ट डिज्नी के वर्ल्ड रिजॉर्ट म्यूजिक डायरेक्टर के रूप में फ्लोरिडा चले गए और साल 1980 में डिज्नीलैंड पार्क के मनोरंजन निदेशक के रूप में लौटे। इसके बाद उन्हें 1982 में वापस वॉल्ट डिज्नी के वर्ल्ड रिजॉर्ट म्यूजिक में बतौर उपाध्यक्ष बनाकर भेजा गया। साल 1987 में उन्हें प्रमोट कर कंपनी के क्रिएटिव शो डेवलपमेंट का उपाध्यक्ष बना दिया गया। डिज्नी में अपनी अंतिम भूमिका में लोगन वॉल्ट डिज्नी एंटरटेनमेंट के कार्यकारी उपाध्यक्ष, कार्यकारी निर्माता थे। वह डिज्नीलैंड रिज़ॉर्ट, वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिजॉर्ट, टोक्यो डिज्नी रिजॉर्ट, डिज्नीलैंड पेरिस, द डिज्नी इंस्टीट्यूट, डिज्नी बिजनेस प्रोडक्शंस, डिज्नी क्रूज लाइन, डिज्नी एंटरटेनमेंट प्रोडक्शंस सहित वॉल्ट डिज्नी कंपनी के लिए सभी लाइव मनोरंजन उत्पादों के निर्माण, कास्टिंग और उत्पादन के लिए जिम्मेदार थे। रॉन वॉल्ट डिज्नी स्पेशल इवेंट्स ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष और डिज्नी स्पेशल प्रोग्राम्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष भी थे। उन्होंने दुनिया भर में डिज्नी पार्कों के लिए सभी लाइव मनोरंजन शो और साथ ही पांच सुपर बाउल हाफटाइम शो का निर्माण किया।

हार्ले क्विन के फॉलो से मिला बॉलीवुड को नया इशारा

मुंबई। मोस्ट डिजायरेबल वुमेन लिस्ट में अपना जलवा दिखा चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री नयना मुके के लिए मंगलवार का दिन एक नया सरप्राइज लेकर आया। नयना मुके से हाल के दिनों में लॉस एंजेलिस स्थित दो भारतीय कंपनियों ने नयना से इंडो अमेरिकन फिल्मों के लिए संपर्क किया है। और, अब हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री हार्ले क्विन ने नयना मुके को उनके इंस्टाग्राम पर फॉलो करके संकेत दिया है कि कुछ न कुछ तो बड़ा होने वाला है। सूत्र बताते हैं कि नयना मुके की सांवली सलोनी और छरहरी काया को लेकर अमेरिका के कुछ स्वतंत्र निर्माता उनको एक बड़ी वेब सीरीज में एक भारतीय एजेंट के रूप में कास्ट करने की कोशिश करते रहे हैं। नयना मुके इन दिनों अभिनय के अलावा सामाजिक कार्यों में भी काफी तल्लीन हैं। सिनेमा की चुनिंदा सफल कारोबारी महिलाओं में शामिल नयना मुके इन दिनों एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी से जुड़ी हुई हैं, ये कंपनी भारत में उन महिलाओं का एक नेटवर्क बना रही है जो अपनी सामर्थ्य अनुसार घर में दो चार टिफिन खाना बना सकती है। ये नेटवर्क इन गृहणियों के हाथों से बना खाना इच्छुक लोगों तक पहुंचाने का काम करेगी। हार्ले क्विन भी लगातार सामाजिक

कार्यों में सक्रिय रही हैं और दोनों के बीच का ये नया रिश्ता उनके सामाजिक कार्यों के बीच पुल का काम भी कर सकता है। अपने सामाजिक कार्यों को लेकर भी नयना खूब सक्रिय रहती हैं। हाल ही में शी अवार्ड से पुरस्कृत होने के बाद नयना ने 'अमर उजाला' से एक खास मुलाकात में कहा था, 'महिला सशक्तिकरण की शुरुआत बचपन से होती है। अगर माता पिता अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिला दें तो फिर वह अपने लिए आर्थिक स्वावलंबन खुद तलाश लेगी। साथ ही बेटियों को ये भी सिखाना जरूरी है कि उनका कौशल ही उनका सबसे बड़ा हथियार है। बेटियों को अपना काम ईमानदारी से सीखना चाहिए। शॉर्टकट के रास्तों से दूर रहना चाहिए और अपने हुनर में तासीर पैदा करनी चाहिए कि जहां भी वे काम करें, हमेशा दमकती रहें।' नयना मुके रंगमंच की काबिल अदाकारा हैं और वह उन गिनी चुनी बॉलीवुड अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने रंगमंच की बाकायदा तालीम ली है। थिएटर में मास्टर्स करने वाली नयना मुके देश की चोटी की मॉडल्स में शुमार हैं और देश के विभिन्न ब्रांड के लिए काम कर चुकी हैं। फिल्मों के अलावा टेलीविजन औद्र डिजिटल दुनिया में भी लगातार सक्रिय रहने वाली नयना मुके के लिए अभिनय एक पैशन रहा है, लेकिन उनका मानना रहा है कि आर्थिक रूप से मजबूत होकर इस क्षेत्र में आना बेहतर परिणाम दे सकता है। नयना मुके को इस साल के शी अवार्ड्स में 'वर्सेटाइल फेस ऑफ द ईयर' माना गया था। शी ब्यूटी अवार्ड्स हर साल उन महिलाओं को दिए जाते हैं जिन्होंने हमने हौसले, हिम्मत, और उत्साह से अपने आसपास के लोगों को प्रभावित किया है। इसकी कसौटी रहती है, कोशिशें, त्याग और कौशल। इन तीन कसौटियों पर कसी गई महिलाओं को एक पैनल के सामने अपनी बात रखनी होती है।

गणेश चतुर्थी उत्सव पर शेयर बाजार बंद बीएसई और एनएसई में नहीं होगा कारोबार

नई दिल्ली। आज देशभर में गणेश चतुर्थी उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी के मौके पर आज शेयर बाजार बंद रहेगा। इस दौरान बीएसई और एनएसई में आज करोबार नहीं होगा।

मंगलवार को बाजार में आया बड़ा उछाल

इससे पहले मंगलवार (30 अगस्त 2022) को बाजार में बड़ा उछाल आया। इस दौरान सेंसेक्स 1,564 अंकों की मजबूती आई। सेंसेक्स में आई यह मजबूती पिछले तीन महीनों के दौरान आया सबसे बड़ा उछाल है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में 4165.86 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। बाजार में मंगलवार को तेजी बैंकिंग, आईटी और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण आई।

सेंसेक्स और निफ्टी ने सोमवार को हुए नुकसान को किया कवर

घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को अपने पिछले दिन सोमवार के नुकसान को कवर कर लिया है। सोमवार को बाजार में बड़ी गिरावट आई थी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ कारोबार करते हुए बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स में लगभग 1564.45 अंकों की बढ़त आई। सेंसेक्स 59,537.07 अंकों पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 446.40 अंक मजबूत होकर 17,759.30 अंकों पर बंद हुआ।

निवेशकों की संपत्ति मंगलवार को बढ़कर 5.68 लाख करोड़ हुई

मंगलवार के कारोबारी सेशन में बीएसई के सेंसेक्स में लगभग 3 फीसदी की तेजी आई। इक्विटी बाजार में आई इस स्मार्ट रिकवरी से मंगलवार को निवेशकों की संपत्ति बढ़कर 5.68 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। ऐसे में सोमवार को निवेशकों जो नुकसान हुआ था उसकी अच्छे से भरपाई हो गई। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 5,68,305.56 करोड़ रुपये बढ़कर 2,80,24,621.83 करोड़ रुपये हो गया।

बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व दोनों ही कंपनियों के शेयरों में 5त्न की तेजी

बाजार मंगलवार के कारोबारी सेशन में सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व दोनों ही कंपनियों के शेयरों में पांच प्रतिशत तक की तेजी दिखी। सेंसेक्स बेंचमार्क के अन्य शेयरों में इंडसइंड बैंक, मारुति, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक के शेयरों में बढ़िया मजबूती दिखी। सिर्फ एयरटेल और डॉ रेड्डीज के शेयरों में ही कमजोरी दिखी।

26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए इस दिन ओपन ऑफर लाएगा अदाणी ग्रुप, 1.67 करोड़ शेयर खरीदने का है प्लान

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप मीडिया सेक्टर में उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एनडीटीवी (हृद्2 छद्बद्वद्बह्लद्गस्र1द्बद्वद्बह्लद्गस्रश्ठ्ठ) के अधिग्रहण की तैयारियों में जुटा है। इस यह प्रकिया गौतम अदाणी के दुनिया का तीसरा सबसे अमीर व्यक्ति बनने के बाद और दिलचस्प हो गई है। एनडीटीवी की ओर से सेबी के एक पुराने आदेश का हवाला देकर कहा गया है कि सेबी के निर्देशों के तहत फिलहाल कंपनी की हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं किया जाता है, हालांकि इस जवाब अदाणी ग्रुप की ओर से यह कहकर दिया गया है कि इस डील का सेबी के निर्देश से कोई सरोकार नहीं है। अदाणी ग्रुप ने इस मामले में अब बड़ा कदम उठाते हुए ओपन ऑफर का एलान कर दिया है।

ओपन ऑफर अक्तूबर महीने में होगा लॉन्च

अदाणी ग्रुप ने एनडीटीवी की अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 17 अक्तूबर को ओपन ऑफर लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस ओपन ऑफर को जेएम फाइनेंशियल नाम की कंपनी लॉन्च करेगी। यह ओपन ऑफर 17 अक्तूबर को लॉन्च होकर एक नवंबर को बंद हो जाएगा। इस ओपन ऑफर के जरिए कंपनी एनडीटीवी समूह के 1.67 करोड़ शेयरों को खरीदने की कोशिश करेगी। अगर इस प्राइस पर ऑफर को पूरी रह से सब्सक्राइब किया गया तो इसकी कुल रकम 492.81 करोड़ रुपये हो जाएगी। बता दें कि बीते हफ्ते अदाणी ग्रुप ने एनडीटीवी मीडिया ग्रुप में 29.18 फीसदी शेयरों को अप्रत्यक्ष तरीके से खरीदने का एलान किया था।

एनडीटीवी ने कहा था- सेबी ने हिस्सेदारी की खरीद बिक्री पर लगा रखी है रोक: एनडीटीवी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 27 नवंबर, 2020 को प्रवर्तकों प्रणय और राधिका रॉय पर प्रतिभूति बाजार में शेयरों की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी थी। यह रोक 26 नवंबर 2022 को खत्म हो रही है। कंपनी ने बताया, 'जब तक लंबित अपील कार्यवाही पूरी नहीं होती है, प्रस्तावित अधिग्रहणकर्ता के लिए प्रवर्तक समूह के 99.5 फीसदी हिस्सों के लिए सेबी की मंजूरी जरूरी है।

इरडा चेयरमैन ने कहा स्वास्थ्य बीमा काफी महंगा, लागत घटाने की जरूरत, कई वर्गों को उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली। स्वास्थ्य बीमा शिखर सम्मेलन 2022 में इरडा के चेयरमैन देबाशीष पांडा ने कहा कि ऐसा संभव है कि उच्च परिचालन एवं वितरण लागत के साथ अप्रत्यक्ष लागत के रूप में अस्पताल खर्च के कारण स्वास्थ्य बीमा महंगा है। निर्धारित मूल्य शायद बहुत अधिक है, जिससे समाज के कई वर्गों को बीमा कवर उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य बीमा समाज के कई वर्गों के लिए महंगा है। उन वर्गों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य बीमा की लागत घटाने की जरूरत है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन देबाशीष पांडा ने मंगलवार को कहा, लागत घटाने के लिए हमें प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की जरूरत है। स्वास्थ्य बीमा शिखर सम्मेलन 2022 में उन्होंने कहा कि ऐसा संभव है कि उच्च परिचालन एवं वितरण लागत के साथ अप्रत्यक्ष लागत के रूप में अस्पताल खर्च के कारण स्वास्थ्य बीमा महंगा है। निर्धारित मूल्य शायद बहुत अधिक है, जिससे समाज के कई वर्गों को बीमा कवर उपलब्ध नहीं है।

किफायती बनाने को कम करने होंगे खर्चे

पांडा ने कहा, बीमा को किफायती बनाने के लिए खर्चों को कम करने के तरीकों पर विचार करना होगा। उन्नत तकनीकी समाधान इसका एक रास्ता हो सकता है। उन्होंने कहा, हम उद्योग के प्रमुख सवालों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। नियामक उद्योग की मांग के मुताबिक खर्च प्रबंधन की सीमा में ढील देने पर काम कर रहा है।

आईटीआर भरने की डेडलाइन खत्म, अब कैसे दाखिल होगा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन समाप्त हो चुकी है। आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2022 थी जो अब खत्म हो चुकी है। अब कई लोगों ने आईटीआर फाइल नहीं किया है। 31 जुलाई की मध्य रात्रि तक लगभग साढ़े पांच करोड़ लोग आईटीआर फाइल कर चुके हैं पर अब भी बड़े पैमाने पर लोगों ने रिटर्न फाइल नहीं किया है। ऐसे में जिन लोगों ने अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया हे उन्हें अब आयकर रिटर्न फाइल करने से पहले जुर्माना भरना होगा तभी वे अपना रिटर्न फाइल कर पाएंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार अंतिम समय पर आटीआईआर फाइल करने की डेडलाइन बढ़ा देगी, पर जैसा कि सरकार ने पहले ही संकेत दे दिए थे, रिटर्न भरने की अखिरी तारीख नहीं बढ़ाई गई। बड़े पैमाने पर लोगों और आर्थिक संस्थाओं की ओर से टैक्स रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की गई थी पर सरकार ने उन्हें सख्त फैसला लेते हुए अनसुना कर दिया। कई लोगों ने ई-फाइलिंग वेबसाइट में गड़बड़ी की शिकायत करते हुए टैक्स फाइलिंग की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की थी पर सरकार ने उन्हें स्पष्ट रूप से मना करते हुए कह दिया कि इस बार आईटीआर फाइलिंग की तारीख बढ़ाने का सरकार का कोई प्लान नहीं है। ट्विटर पर कई दिनों से ट्रेंड कर रहा था पर सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई और आखिरकार आयकर रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन नहीं बढ़ी।

जिन लोगों ने 31 जुलाई 2022 तक रिटर्न फाइल नहीं किया है वे अब क्या करेंगे?

जिन लोगों ने सरकार की ओर से डेडलाइन बढ़ाने के इंतजार में अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया है अब उन्हें जुर्माने के साथ अपना रिटर्न फाइल करना होगा। जुर्माने की राशि भरकर लोग अब 31 दिसंबर 2022 तक अपना रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। ऐसे में यह जानना जरूरी है रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख समाप्त होने के बाद जिन लोगों ने अब तक रिटर्न दाखिल नहीं किया है उनके लिए क्या विकल्प बचे हैं और वे अपना रिटर्न कैसे दाखिल कर पाएंगे? आइए जानते हैं उन्हें अब अपना रिटर्न दाखिल करने के लिए क्या करना पड़ेगा?

आयकर कानूनों के प्रावधान 139(4) के तहत लेट फी के साथ दाखिल करना होगा आईटीआर

अगर आप इन टैक्स रिटर्न भरने की 31 जुलाई 2022 की तारीख मिस कर गए हैं तो आप 31 दिसंबर 2022 तक आयकर कानून की धारा 139(4) के तहत लेट फी के साथ अपना रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इसके लिए आपको 1000 रुपये से 5000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। अगर आपकी सालाना आय पांच लाख रुपये से कम है और आपने अब तक अपना आयकर रिटर्न नहीं भरा है तो आप आज से 31 दिसंबर 2022 के बीच 1000 रुपये का जुर्माना भरकर अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि अगर आपकी सालाना आमदनी बेसिक एक्सेम्पशन लिमिट (2.5 लाख रुपये) से भी कम है तो आपको एक रुपया भी जुर्माने के तौर पर नहीं भरना पड़ेगा।

किनको भरना पड़ेगा पांच हजार रुपये का जुर्माना?

अगर किसी व्यक्ति की सालाना आमदनी पांच लाख रुपये से अधिक है और उन्होंने अब तक अपना आयकर रिटर्न नहीं भरा है तो उन्हें अपना रिटर्न भरने के लिए अब 5000 रुपये तक की लेट फीस भरनी पड़ेगी। उनके ऊपर जितने रुपये की टैक्स की देनदारी होगी उस राशि पर भी अब ब्याज की गणना आज से ही शुरू हो जाएगी। ऐसे में उन्हें 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए पहले लेट फीस, अपना बकाया टैक्स और उसके ऊपर चार्ज किए गए ब्याज की राशि का भुगतान भी करना पड़ेगा। जिन लोगों ने 139 (1) के तहत समय रहते अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है उन्हें अब रिटर्न दाखिल करने के लिए अब उनके ऊपर बनी टैक्स की देनदारी पर 1त्न प्रति महीने की दर से ब्याज का भुगतान करना पड़ेगा। अगर आपको आयकर विभाग से रिफंड लेना है और आपने 31 जुलाई 2022 तक अपना रिटर्न फाइल नहीं किया है तो आप 31 दिसंबर 2022 तक जुर्माने के साथ रिटर्न फाइल कर अपना रिफंड क्लेम कर सकते हैं। अगर आपने 31 दिसंबर 2022 तक भी अपना रिटर्न नहीं भरा तब भी आपको रिफंड मिल सकता है पर उसके लिए आपको बहुत पापड़ बेलने पड़ेंगे। आपको रिफंड पाने के लिए अपने क्षेत्र के आयकर आयुक्त के पास रिफंड हासिल करने के लिए अपील करनी होगी। अगर आपका रिटर्न फाइल नहीं करने का कारण वाजिब है तो वे आपको उसके बाद भी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दे सकते हैं।

प्रमुख फैशन ब्रांड Gucci ने किया एलान, क्रिप्टो के रूप में स्वीकार करेगा भुगतान

नई दिल्ली। कंपनी ने इस फैसले की घोषणा पिछले हफ्ते की। Gucci के पांच महीने पुरानी क्रिप्टोकरेंसी peCoin से भुगतान स्वीकार करने के फैसले से इस एनएफटी को क्रिप्टो मार्केट में एक्सपोजर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हाई इंड इटालियन फैशन ब्रांड Gucci दुनिया की पहली मेजर फैशन ब्रांड बन गई है जिसने अब क्रिप्टोकरेंसी के रूप में भी भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपार्ट्स के अनुसार फैशन ब्रांड Gucci ने बोर्ड एप याट क्लब से संबंध एनएफटी श्रद्बह्वश्चह्वद्ग से भुगतान स्वीकारना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने इस फैसले की घोषणा पिछले हफ्ते की। ब्रह्वष्ष्द्ब के पांच महीने पुरानी क्रिप्टोकरेंसी श्रद्बह्वश्चह्वद्ग से भुगतान स्वीकार करने के फैसले से इस एनएफटी को क्रिप्टो मार्केट में एक्सपोजर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। कि दुनिया की प्रमुख फैशन ब्रांड Gucci ने क्रिप्टोकरेंसी के रूप में भुगतान स्वीकार करने का फैसला ऐसे समय पर लिया है जब क्रिप्टोकरेंसी का बाजार मंदी के दौरान से गुजर रहा है। सभी बड़ी क्रिप्टोकरेंसी जैसे बिटकॉइन, इथेरियम और डॉजकॉइन में पिछले कुछ महीनों में बड़ी गिरावट देखी गई है।

बैंकों में बिना दावे के पड़े हैं 40 हजार करोड़ रुपये, केंद्र को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मृत निवेशकों, जमाकर्ताओं और खाताधारकों के 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लावारिस राशि सही कानूनी वारिसों को उपलब्ध कराने के लिए तंत्र विकसित करने के बारे में शुक्रवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। जस्टिस एस अब्दुल नजीर और जस्टिस जेके माहेश्वरी की पीठ ने पत्रकार सुचेता दलाल की याचिका पर केंद्र सरकार, आरबीआई और अन्य से यह कहते हुए जवाब मांगा कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। वकील प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर याचिका में आरबीआई द्वारा शासित एक केंद्रीकृत डाटा वेबसाइट की आवश्यकता से संबंधित मुद्दों को भी उठाया गया है, जिससे मृत बैंक खाताधारकों के मूल विवरण उपलब्ध हों और कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा निष्क्रिय खातों के धन का दावा करने की प्रक्रिया आसान बन जाए। याचिका में यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है कि कानूनी वारिसों या नामित व्यक्तियों द्वारा जमा राशि का दावा न करने की स्थिति में धन को जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीइएफ), निवेशक शिक्षा और सुरक्षा कोष (आईईपीएफ) और वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष (एससीडब्ल्यूएफ) में स्थानांतरित किया जाए। साथ ही एक केंद्रीकृत ऑनलाइन डाटाबेस पर निष्क्रिय खातों के धारकों की जानकारी डाल कर इसे कानूनी वारिसों/नामितों को उपलब्ध कराया जाए। याचिका में कहा गया है कि मृत निवेशकों की जानकारी, जिनकी जमा, डिबेंचर, लाभांश, बीमा और डाकघर निधि आदि आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दी गई है, यह वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध नहीं है।

दो साल में दोगुना से अधिक बढ़ी लावारिस राशि

याचिका में कहा गया है कि जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीईएफ) के पास मार्च, 2021 के अंत में 39,264.25 करोड़ रुपये की राशि थी, जबकि 31 मार्च, 2020 को 33,114 करोड़ रुपये और 31 मार्च, 2019 को यह रकम सिर्फ 18,381 करोड़ थी। यानी दो साल में यह राशि दो गुना से अधिक बढ़ गई। वहीं निवेशक शिक्षा और सुरक्षा कोष (आईईपीएफ) 1999 में 400 करोड़ रुपये से शुरू हुआ जो मार्च 2020 के अंत में 10 गुना अधिक 4100 करोड़ रुपये था।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)